● वर्ष-2
● अंक-216
रायपुर, मंगलवार
02 मई 2023
● पृष्ठ-6
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

नंदकुमार साय कांग्रेस में

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी अविभाजित मध्यप्रदेश के अध्यक्ष तीन बार लोकसभा व दो बार विधानसभा एं राज्य सभा के सदस्य रहे साय ने अंततः भाजपा का साथ छोड़कर पार्टी के लम्बे रिश्ते को तोड़ते हुए राजीव भवन में आज प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के साथ कांग्रेस की सदस्यता विधिवत ग्रहण की। उक्त अवसर पर कांगेस के केबिनेट मंत्रीगण एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने साय का जोरदार स्वागत करते हुए प्रसन्नता व्यक्त की। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने साय को कांग्रेस सदस्य बनने की शपथ दिलाई। साय पांच बार सांसद, तीन बार विधायक, दो बार प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष रह चुके हैं। साय भाजपा में कई दिनों से अपने आपको उपेक्षित महसूस कर रहे थे। संकेत हैं कि उन्हें कैबिनेट मंत्री का दर्जा दिया जा सकता है। कांग्रेस में उन्हें लाने के लिए कांग्रेस के ही एक स्थानीय नेता ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। पिछले पांच दिनों से साय कांग्रेस नेताओं के संपर्क में थे। कांग्रेस में जाने का फैसला होने के बाद रविवार को उन्होंने भाजपा से अपनी नाराजगी जताते हुए पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया था। साय की राजनीति ऐसी रही है कि वे विवादों से दूर रहे हैं। इसी कारण राजनीति में उनके बारे में नकारात्मक टिप्पणी कभी सुनने में नहीं आई। कांग्रेस आने वाले विधानसभा में साय के प्रभाव का इस्तेमाल करना चाहेगी। विधानसभा चुनाव के बाद अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव में भी कांग्रेस साय के चेहरे को सामने करेगी। कांग्रेस के पास जशपुर में किसी दमदार चेहरे की कमी थी। नंदकुमार साय के आने से पार्टी वहां पहले के मुकाबले और मजबूत होगी। साय को छत्तीसगढ़ में भाजपा की नींव रखने वाले नेताओं में से एक माना जाता है। पूर्व अध्यक्ष लखीराम अग्रवाल के साथ मिलकर उन्होंने छत्तीसगढ़ में भाजपा का संगठन खड़ा करने में अहम भूमिका निभाई है। साय एक समय पार्टी के पोस्टर बॉय माने जाते थे। वर्ष 2000 में राज्य बनने के बाद नेता प्रतिपक्ष नियुक्त होते ही वह राज्य के प्रथम मुख्यमंत्री अजीत जोगी को घेरने में कोई कसर नहीं छोड़ते थे। 2003 में विधानसभा चुनाव में तत्कालीन मुख्यमंत्री अजीत जोगी के खिलाफ मरवाही से चुनाव लड़ने की वजह से साय काफी चर्चा में आए थे। साय बीच-बीच में पार्टी में अपना असंतोष जाहिर करते रहे हैं। कुछ दिनों पहले जब आरक्षण को लेकर उन्होंने धरना दिया था, तब भाजपा का कोई नेता उनके साथ खड़ा नहीं हुआ था। तभी से साय और भाजपा के बीच दूरियां बढ़ने की चर्चा होने लगी थी।

कौन हैं नंदकुमार साय

नंदकुमार साय पांच बार सांसद तीन बार विधायकक दो बार प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष रह चुके हैं। अविभाजित मध्यप्रदेश में साय प्रदेश भाजपा अध्यक्ष का पद भी संभाल चुके हैं। साथ ही वे छत्तीसगढ़ भाजपा के अध्यक्ष और राज्यसभा सदस्य भी रह चुके हैं। नंदकुमार साय 1989 में लोकसभा सांसद बने और 1996 में दूसरी बार और 2004 में राज्य गठन के बाद तीसरी बार लोकसभा सांसद बने।

इसके बाद उनका सियासी सफर आगे बढ़ा और 2009 में राज्यसभा के सांसद के लिए चुने गए। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में उन्हें 2017 में राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया। इन सबके अलावा वे अविभाजित मध्यप्रदेश में भी भाजपा के कई बड़े पदों पर रहे। 1996 में मध्यप्रदेश अनुसूचित जनजाति के प्रदेश अध्यक्ष बने, इसके बाद पार्टी ने 1997 से 2000 के बीच मध्यप्रदेश भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी भी उन्हें सौंपी गई।

आरक्षण पर लगी रोक पर स्थगन

प्रदेश में अब 58% आरक्षण

नौकरियों, प्रमोशन और एडमिशन में रास्ता साफ

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ में आरक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ी राहत दी है। सर्वोच्च न्यायालय ने 58 प्रतिशत आरक्षण पर लगी रोक पर अंतरिम आदेश दिया है है। बिलासपुर हाईकोर्ट ने इसे 2012 में 58 प्रतिशत आरक्षण को असंवैधानिक बताते हुए खारिज कर दिया था। सर्वोच्च न्यायालय ने इस आदेश को स्थगित कर दिया है। इसके साथ ही इसी आरक्षण के आधार पर भर्ती और प्रमोशन के निर्देश भी दिए हैं। अब प्रदेश में सरकारी नौकरियों में भर्ती, प्रमोशन और शिक्षण संस्थानों में प्रवेश का रास्ता साफ हो गया है।

आबादी के हिसाब से सरकार ने जारी किया था रोस्टर

दरअसल, छत्तीसगढ़ सरकार ने 2012 में 58 फीसदी आरक्षण को लेकर अधिसूचना जारी की थी। इसमें प्रदेश की आबादी के हिसाब से सरकार ने आरक्षण का रोस्टर जारी किया था। इसके तहत अनुसूचित जनजाति को 20 की जगह 32 फीसदी, अनुसूचित जाति को 16 की जगह 12 फीसदी और ओबीसी को 14 फीसदी आरक्षण का प्रावधान किया गया। इससे आरक्षण का दायरा संविधान द्वारा निर्धारित 50 फीसदी से ज्यादा हो गया।

हाईकोर्ट के फैसले से पूरी तरह खत्म हो गया था आरक्षण

हाईकोर्ट के 58 प्रतिशत आरक्षण को खारिज किए जाने के बाद प्रदेश में आरक्षण पूरी तरह से समाप्त हो गया था। सभी भर्तियों और प्रमोशन पर ब्रेक लग गया था। जिसकी वजह से पीएससी सहित कई भर्तियों का फाइनल रिजल्ट रोक दिया गया था। आरक्षण नहीं होने से शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश पर भी असमंजस की स्थिति पैदा हो गई थी। वहीं सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर राज्य सरकार ने खुशी जताई है।

मुख्यमंत्री ने कहा है कि लड़ेंगे-जीतेंगे

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि, 58 प्रतिशत आरक्षण पर हाईकोर्ट के फैसले पर सर्वोच्च न्यायालय द्वारा रोक लगाने के निर्णय का हम सब स्वागत करते हैं, पर छत्तीसगढ़ के युवाओं के खिलाफ भाजपा के षड्यंत्र के विरूद्ध हमारा संघर्ष जारी रहेगा। राज्यपाल नए विधेयक पर हस्ताक्षर करें तभी सही न्याय मिलेगा। लड़ेंगे-जीतेंगे

विधानसभा में 76% आरक्षण विधेयक पारित

छत्तीसगढ़ विधानसभा में सर्वसम्मति से 76 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए संशोधन विधेयक पारित किया जा चुका है, लेकिन इस पर राज्यपाल की मंजूरी अब तक नहीं मिली है। इसके बाद 2012 से प्रदेश में लागू 58 प्रतिशत आरक्षण को भी हाईकोर्ट ने अवैधानिक घोषित कर दिया था। आरक्षण की स्थिति स्पष्ट नहीं होने के कारण प्रदेश के इंजीनियरिंग कॉलेज,फार्मेसी कॉलेज, वेटरनरी कॉलेज, आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज, बीएड-डीएड कॉलेज, कृषि महाविद्यालय, नर्सिंग महाविद्यालय, पॉलिटेक्निक कॉलेजों की प्रवेश परीक्षाएं भी प्रभावित हो गई थीं।

इन दिनों

✍ शशांक शर्मा

नंदकुमार साय की नई राजनीतिक पारी

भारतीय जनता पार्टी में संगठन में कुछ ऐसे नियम बनाएं हैं जो भारत की स्वतंत्रता के बाद की राजनीति की दृष्टि से हटकर है। एक निर्णय यह लिया गया है कि भाजपा में सक्रिय राजनीति करने की आयु सीमा 75 वर्ष तय कर दी गई है। इस आयु सीमा पार महत्वकांक्षा पाले अनेक भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के मन में उपेक्षा किए जाने की टीस है। कांग्रेस पार्टी सहित अनेक राजनीतिक दल भाजपा पर अपने वरिष्ठ नेताओं की उपेक्षा करने का आरोप लगाते हैं। ऐसा ही आरोप लगाकर छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ नेता नंदकुमार साय अपनी 50 साल की राजनीतिक यात्रा में भाजपा की गाड़ी को छोड़ कांग्रेस पार्टी की सवारी कर ली है। रविवार अचानक उनके इस्तीफे की खबर आई और अगले दिन सुबह मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और प्रदेशाध्यक्ष मोहन मरकाम की उपस्थिति में कांग्रेस पार्टी की प्राथमिक सदस्यता ले ली। इस निर्णय से कई तरह के राजनीतिक सवाल खड़े होते हैं। पहला तो यह कि साय के पार्टी छोड़ने से भाजपा को क्या नुकसान और कांग्रेस में शामिल होने से कांग्रेस को क्या फायदा मिलेगा। पहली बात यह कि नंदकुमार साय जिस पीढ़ी के राजनेता वे अब सेवानिवृत्त हो चुके हैं। दूसरी बात श्री साय ने अपना आखिरी लोकसभा चुनाव 2004 में लड़े थे। इसके बाद 2009 में उन्हें राज्यसभा का सदस्य बनाया गया था। इसका मतलब है कि नंदकुमार साय लगभग 19 वर्षों से चुनावी राजनीति से बाहर है. इस बीच नई पीढ़ी राजनीति और मतदाता के रुप में खड़ी हो चुकी हैं। इसलिए नंदकुमार साय की राजनीतिक पहचान लगभग लुप्तप्राय है, मतलब आगामी चुनाव में श्री साय के भाजपा छोड़ने और कांग्रेस में शामिल का कोई ज्यादा असर नहीं पड़ने वाला। इधर नंदकुमार साय ने पार्टी में उपेक्षा की बात कही है। पहली बात तो यह कि 2021 में 75 वर्ष पूरा कर लेने के बाद वे केवल मार्गदर्शक की भूमिका में हो सकते हैं। दूसरी बार 2020 से पहल इनकी संसदीय यात्रा 1977 से प्रारंभ होती है जब वे पहली बार विधायक निर्वाचित हुए। तब से लेकर 2016 तक वे लगातार चुनावी राजनीति के केंद्र में रहे। तीन बार लोकसभा के चुनाव और एक बार राज्यसभा के निर्वाचित हो चुके हैं। वहीं, तीन बार विधानसभा के लिए भी निर्वाचित हुए हैं। जितना श्रेय उनकी राजनीतिक यात्रा में उनको मिली जीत है, उतनी बार ही वे चुनाव भी हारे हैं। 1984, 1991 और 1998 में वे लोकसभा का चुनाव हारे हैं तथा 1980 और 2003 में विधानसभा का चुनाव हारे हैं। अब अगर उनके चुनाव लड़ने की यात्रा को देखे तो पार्टी ने उनको टिकट देने में कभी कोताही नहीं बरती। जैसे 1980 का विधानसभा चुनाव हारने के बाद 1984 में लोकसभा का टिकट दिए, जिसे वे हार गए इसके बावजूद 1985 में विधानसभा का टिकट मिली। इसी तरह 1998 में लोकसभा का चुनाव हारने के बाद उसी साल विधानसभा का चुनाव लड़े और जीत कर आए। वे 2003 में अजीत जोगी से चुनाव हारे तो 2004 में उन्हें लोकसभा का टिकट मिला और जीतकर सांसद बने। इस प्रकार जिस पार्टी ने उनके राजनीतिक कद को महत्व दिया उसे अचानक छोड़ देना उनके लिए भी बहुत मुश्किल निर्णय रहा होगा.

देश भर में जगह-जगह तेज आंधी के साथ हुई बारिश

नई दिल्ली। पिछले दो दिनों से मौसम ने अचानक करवट बदली है। जगह-जगह तेज आंधी के साथ हुई बारिश ने तपती गर्मी से लोगों को राहत दिलाई। यहां तक कि लोग गुलाबी ठंड का एहसास करने लगे हैं। आलम ये है कि कई जगहों पर ये बारिश आफत बन गई। बिहार के बेगूसराय में तो तूफान के बीच पेड़ गिरने से दो महिलाओं की मौत हो गई जबकि छह लोग घायल हो गए।

छत्तीसगढ़ में पिछले कुछ दिनों से मौसम का मिजाज बदला हुआ है। भीषण गर्मी के बीच बरसात ने मौसम को ठंडा कर दिया है। 2 दिन से हो रही बारिश से तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। छत्तीसगढ़ में देर रात बारिश हुई है, जिससे मौसम खुशनुमा हो गया है। सोमवार की रात भी बारिश हुई। मंगलवार का दिन भी प्रभावी रहने की संभावना जताई जा रही है। इस दौरान प्रदेश के सभी जिलों के लिए यलो अलर्ट जारी किया गया है। जिसमें सभी जिलों के एक से दो स्थानों पर बारिश होने के साथ ही अंधड़ चलने की संभावना जताई जा रही है।

इन जिलों में आरेंज अलर्ट

रायगढ़, रायपुर, गरियाबंद, धमतरी, दुर्ग, राजनांदगांव, बस्तर, कोंडागांव, दंतेवाड़ा, कांकेर, बीजापुर, नारायणपुर एवं इनसे लगे आसपास के जिलों के लिए आरेंज अलर्ट।

इन जिलों के लिए यलो अलर्ट

बिलासपुर, मुंगेली, दुर्ग, बालोद, बेमेतरा, कबीरधाम, बस्तर, सुकमा सहित इनके आसपास लगे हुए जिलों के लिए यलो अलर्ट जारी किया गया है।

गर्मी में बारिश क्यों हो रही?

मौसम वैज्ञानिक डॉ. एमआर रानालकर ने कहा, %आमतौर पर गर्मी के समय पश्चिमी

विक्षोभ ज्यादा सक्रिय नहीं होते हैं, लेकिन इस बार ऐसा नहीं है। इस बार पश्चिमी विक्षोभ ज्यादा सक्रिय हो गए हैं। इसी के चलते बेमौसम बारिश हो रही है।% उन्होंने आगे कहा, पश्चिमी विक्षोभ के रूप में चक्रवाती सर्कुलेशन निचले और ऊपरी क्षोभमंडल स्तरों में मध्य पाकिस्तान पर स्थित है। निचले क्षोभमंडल में दक्षिण पाकिस्तान और इससे सटे पश्चिमी राजस्थान के ऊपर एक चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र बना हुआ है। चक्रवाती हवाओं का एक क्षेत्र दक्षिण-पश्चिम उत्तर प्रदेश और दूसरा दक्षिण छत्तीसगढ़ के ऊपर निचले क्षोभमंडल स्तर पर बना हुआ है। ये क्षोभमंडलीय स्तरों में पूर्वी विदर्भ से तमिलनाडु के अंदरूनी क्षेत्र में हवाओं के बदलाव से मौसम बदला हुआ है। इसका असर अगले तीन से चार दिनों तक उत्तर पश्चिम भारत में देखने को मिलेगा।

अगले पांच दिन कैसा रहेगा मौसम?

भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, अगले पांच दिन के दौरान पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में कहीं-कहीं हल्की-मध्यम बारिश, बर्फबारी, बिजली की गरज और तेज हवाएं चलने के आसार हैं। इसके अलावा उत्तर-पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों में बिजली की गरज और तेज हवाओं के साथ काफी व्यापक बारिश हो सकती है।

प्रमुख समाचार

जीएसटी संग्रह अप्रैल में 1.87 लाख करोड़ रु के रिकॉर्ड पर

नयी दिल्ली। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह अप्रैल में सालाना आधार पर 12 प्रतिशत बढ़कर 1.87 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। यह किसी एक महीने में जुटाया गया सबसे अधिक जीएसटी राजस्व है। जुलाई, 2017 में जीएसटी प्रणाली लागू होने के बाद से सर्वाधिक कर संग्रह का पिछला रिकॉर्ड 1.68 लाख करोड़ रुपये था जो पिछले साल अप्रैल में बना था। वित्त मंत्रालय ने सोमवार को अप्रैल, 2023 के कर संग्रह आंकड़े जारी करते हुए कहा कि पिछले महीने सकल जीएसटी संग्रह 1,87,035 करोड़ रुपये रहा। इसमें केंद्रीय जीएसटी (सीजीएसटी) 38,440 करोड़ रुपये, राज्य जीएसटी (एसजीएसटी) 47,412 करोड़ रुपये और एकीकृत जीएसटी (आईजीएसटी) 89,158 करोड़ रुपये के अलावा 12,025 करोड़ रुपये का उपकर भी शामिल है।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि-ईदगाह विवाद नए सिरे से सुनवाई होगी

मथुरा। श्री कृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह मस्जिद जमीन विवाद मामले में इलाहबाद हाईकोर्ट ने अहम फैसला सुनाया है। इस फैसले के अंतर्गत शाही ईदगाह ट्रस्ट और यूपी सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड की याचिकाओं को निस्तारित कर दिया गया है। हाईकोर्ट ने आदेश दिया है कि मथुरा के जिला जज इस मामले में नए सिरे से सुनवाई शुरु करे। अदालत के आदेश के अनुसार सभी पक्षकारों को मथुरा के जिला जज के समक्ष नए तरीके से अपनी दलीलों को पेश करना होगा। यानी हाईकोर्ट ने पूरे केस को मथुरा के जिला जज को वापस भेज दिया है। अब इस मामले में जस्टिस प्रकाश पाडिया की के आदेश के मुताबिक सुनवाई मथुरा के जिला जज के समाने होंगी। इस मामले में सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड की याचिका पर हस्तक्षेप करने से न्याययलय ने इंकार कर दिया है। मथुरा कोर्ट में श्रीकृष्ण विराजमान की ओर से कहा गया कि याचिका को खारिज किया जाए। इस अर्जी पर जिला जज ने सिविल कोर्ट के फैसले को रद्द कर दिया है।

अदाणी की जांच का समय बढ़ने से गलत संदेश- कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने सोमवार को कहा है अदाणी प्रकरण की जांच के लिए सेबी को और छह महीने का समय देने से यह धारणा बनेगी कि इस मामले की जांच गंभीर रूप से नहीं की जा रही है और तथ्यों को छिपाया जा रहाचच है। शेयर बाजार की नियामक संस्था सेबी ने सुप्रीम कोर्ट से जांच के लिए और छह महीने का समय मांगा है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि इस पूरे प्रकरण की जांच संयुक्त संसदीय समिति यानी जेपीसी से करवाई जानी चाहिए, साथ ही अदाणी समूह पर लगे अत्यंत गंभीर आरोपों की सच्चाई का पता लगाने के लिए सेबी की त्वरित जांच भी जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट ने 2 मार्च को सेबी को अदाणी मामले की जांच का जिम्मा सौंपा था और उससे दो महीने में रिपोर्ट मांगी थी। यह समयसीमा दो मई को खत्म हो रही है।

रियायत समाप्त कर रेलवे ने 2242 करोड़ रुपये कमाए

नई दिल्ली। रेलवे ने वरिष्ठ नागरिकों को दी जाने वाली रियायत को रद्द कर 2022-23 में उनसे करीब 2,242 करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व अर्जित किया है। देश के सबसे बड़े ट्रांसपोर्टर ने 20 मार्च 2020 से जब कोरोना संकट के कारण वरिष्ठों को दी जाने वाली रियायत को स्थगित किया था से 31 मार्च 2022 के बीच 1500 करोड़ रुपये की अतिरिक्त आमदनी की थी। मध्य प्रदेश के चंद्र शेखर गौड़ की ओर से दायर सूचना के अधिकार (आरटीआई) के जवाब में रेलवे ने कहा कि एक अप्रैल 2022 से 31 मार्च 2023 के बीच उसने लगभग आठ करोड़ वरिष्ठ नागरिकों को रियायतें नहीं दीं, जिनमें लगभग 4.6 करोड़ पुरुष, 3.3 करोड़ महिलाएं और 18,000 ट्रांसजेंडर शामिल थे। आरटीआई के जवाब के अनुसार, इस अवधि के दौरान वरिष्ठ नागरिक यात्रियों से कुल 5,062 करोड़ रुपये राजस्व प्राप्त हुआ है। जिसमें रियायत के निलंबन के कारण अर्जित अतिरिक्त 2,242 करोड़ रुपये शामिल हैं।

सूडान से 186 भारतीयों का एक और जत्था स्वदेश लौटा

नयी दिल्ली। हिंसाग्रस्त सूडान से अपने नागरिकों को वापस लाने के भारत के अभियान 'ऑपरेशन कावेरी' के तहत सोमवार को 186 भारतीय स्वदेश लौटे। भारत ने हिंसा से प्रभावित सूडान से अपने नागरिकों को निकालने के लिए पिछले सप्ताह 'ऑपरेशन कावेरी' शुरू किया था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने ट्वीट किया, ''ऑपरेशन कोवरी के तहत भारतीय नागरिकों का लौटना जारी। 186 यात्रियों के साथ एक विमान कोच्चि पहुंचा।'' ज्ञात हो कि रविवार को इस अभियान के तहत 229 भारतीय बेंगलूरू पहुंचे थे, जबकि इसके एक दिन पहले 365 भारतीय नागरिक दिल्ली आए। वहीं, इस निकासी अभियान के तहत शुक्रवार को दो जत्थों में 754 नागरिक भारत लौटे थे। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, अब तक ऑपरेशन कावेरी के तहत भारत लौटने वाले भारतीयों की संख्या 2,140 हो गई है। 'ऑपरेशन कावेरी के तहत भारत ने जेद्दा में पारगमन सुविधा स्थापित की है। सूडान से निकाले जाने के बाद भारतीय नागरिकों को सऊदी अरब के इस शहर में लाया जा रहा है।

विपक्षी एकता मंचः जीत का रास्ता निकलेगा...लेकिन खुद से हारना होगा

पी. चिदंबरम

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस देश की सबसे पुरानी पार्टी है। भारतीय जनता पार्टी देश की सबसे बड़ी पार्टी है, अमीरी में भी। पिछले लोकसभा चुनाव (2019) में भाजपा के सारे उम्मीदवारों ने कुल पड़े मतों में से 37.4 फीसदी मत हासिल किए थे। कांग्रेस के उम्मीदवारों ने 19.5 फीसदी मत हासिल किए थे। कई क्षेत्रीय और राज्य विशेष की पार्टियां भी हैं, जिनका खासा प्रभाव है और वे कई राज्यों में शासन में भी हैं।

दरअसल भारत का चुनावी नक्शा एक बहुरंगीय राजनीतिक पच्चीकारी जैसा है। भाजपा का लक्ष्य, जो कि छिपा नहीं है, इसे एक वर्णी पच्चीकारी बनाना है। विपक्षी दलों (जो भाजपा का विरोध करते हैं) का लक्ष्य केंद्र से भाजपा को बेदखल कर एक उदार, प्रगतिशील और समावेशी सरकार बनाना है।

2014 के बाद के हर चुनाव में भाजपा पार्टी या उसके घोषणापत्र के नाम पर नहीं, बल्कि श्री नरेंद्र मोदी के नाम पर वोट मांगती है। वह इस हद तक चली गई है कि वह कर्नाटक के मतदाताओं से, यह राज्य 10 मई को नई सरकार चुनेगा, अपील कर रही है कि %कर्नाटक मोदी को सौंप दें%। भाजपा के लिए हर क्षेत्र से श्री मोदी ही उम्मीदवार हैं। भाजपा सोचती है कि उसे अपना लक्ष्य हासिल करने के लिए %हर जगह मोदी% का होना पर्याप्त होगा।

आज की स्थिति में ऐसा लगता है कि विपक्षी दलों के पास ऐसा कोई एक आम नेता/उम्मीदवार नहीं है, जिसके पीछे वे चलने को तैयार हों। यह स्थिति बदल भी सकती है,

लेकिन हम आज की स्थिति पर गौर करेंगे। इस प्रतीत होने वाले नुकसान को घटाकर, विपक्षी दलों के पास कई लाभ और ताकतें हैं, और इस आलेख का उद्देश्य यह पता लगाना है कि विपक्षी दल अपनी ताकत का लाभ कैसे उठा सकते हैं।

कुछ चरम विकल्पों की जगह नहीं हो सकती। विपक्षी दल 1977 की जनता पार्टी की तरह आज एकजुट होकर किसी एक नई पार्टी का गठन नहीं करेंगे और वे ऐसा नहीं कर सकते। कोई भी विपक्षी दल किसी राज्य की पूरी जगह किसी अन्य दल को नहीं सौंपेंगा। मना करने की अपील के बावजूद, आप ने उत्तराखंड (2022) और कर्नाटक (2023) और तृणमूल कांग्रेस ने गोवा (2022) में चुनाव लड़ा। इसलिए, जबकि कुल विपक्षी एकता वांछनीय है, यह संभव नहीं लगता।

विकल्प है, एक अपोजिशन यूनिटी प्लेटफॉर्म (ओयूपी) यानी विपक्षी एकता मंच। एक ओयूपी के लिए जरूरी होगा कि प्रत्येक पार्टी अन्य दलों को रियायत दे और अन्य दलों से मिली रियायत से लाभ अर्जित करे। इस योजना की रूपरेखा मोटे तौर पर इस तरह है- राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के चार कॉलम बनाएं और प्रत्येक राज्य/केंद्र शासित प्रदेश को उपयुक्त कॉलम में रखें (संख्या लोकसभा सीटों की संख्या को दर्शाती है)। बेशक, यह स्वीकार किया जाना चाहिए कि अनेक राज्यों में भाजपा प्रमुख विपक्षी दल से अधिक प्रभावशाली है (उसके पास लोकसभा में 302 सीटें हैं)।

मेरे दृष्टिकोण में यदि विपक्षी एकता मंच बनता है, तब कांग्रेस वैध तरीके से करीब 209 सीटों पर भाजपा के खिलाफ लड़ाई में नेतृत्व करने की उम्मीद कर सकती है। इसी तरह सपा, तृणमूल कांग्रेस, राजद, जनता दल (यू), द्रमुक, बीआरएस और आप में से कोई अन्य विपक्षी दल करीब 225 सीटों में नेतृत्व कर सकता है। तीन राज्यों में दो या तीन दल भाजपा को चुनौती देने के लिए नेतृत्व करने की स्थिति में हैं। 53 सीटों वाले सात राज्यों में, विजेता पार्टी भाजपा की गुप्त सहयोगी हो सकती है।

अगला कदम- विपक्षी एकता मंच के दलों को स्वेच्छा से इस नियम का पालन करना चाहिए कि संबंधित राज्य की प्रमुख पार्टी उस राज्य में अधिकांश सीटों पर चुनाव लड़ेगी, वहीं प्रमुख पार्टी सीटें ऐसे उम्मीदवारों को देने को बाध्य होगी, जिसके जीतने की सर्वाधिक उम्मीद हो, चाहे वह किसी अन्य विपक्षी पार्टी से क्यों न हो। इसका मतलब यह भी है कि कई जगह ऐसा भी हो कि प्रमुख पार्टी के अपने उम्मीदवार को ही सीट देने से इनकार किया जाए। लक्ष्य यह नहीं है कि प्रत्येक प्रमुख पार्टी कितनी सीटें जीत सकती है, बल्कि अधिकतम सीटों पर भाजपा के उम्मीदवारों को हराना है। सभी विपक्षी दलों को जीतने के लिए झुकना होगा।

नक्सलियों ने आदिवासियों पर दर्ज एफआईआर का किया विरोध

नक्सलियों ने सड़क किनारे लगाए बैनर, लिखा- जन अदालत में दी युवक को मौत की सजा

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर में नक्सलियों ने एक युवक की हत्या मामले में ग्रामीणों पर दर्ज हुई एफआईआर वापस लेने और गिरफ्तार आरोपियों को छोड़ने की मांग की है। इसे लेकर नक्सलियों ने सड़क किनारे बैनर बांधे हैं। इसमें लिखा है कि युवक को जन अदालत लगाकर सजा दी गई है। मामला पंखाजुर थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, डोटोमेटा से जानकीनगर पीवी नंबर 45 पहुंच मार्ग पर नक्सलियों ने बैनर पोस्टर लगाए हैं। इस पर नक्सलियों ने बताया है कि मानू ध्रुव नामके युवक को जन अदालत लगाकर सजा दी गई है। आरोप लगाया है कि इस मामले में पुलिस ने आदिवासी युवकों पर झूठी एफआईआर दर्ज की है।

नक्सलियों ने पुलिस से आदिवासी युवकों पर दर्ज एफआईआर वापस लेने की मांग करते हुए गिरफ्तारी का विरोध किया है। यह पोस्टर और बैनर नक्सलियों की परतापुर एरिया कमेटी की ओर से लगाए गए हैं। फिलहाल सूचना मिलने के बाद पुलिस ने पोस्टर और बैनर को जब्त कर लिया है। इलाके में सर्चिंग जारी है।

चार दिन पहले भी नक्सलियों ने कोयलीबेड़ा क्षेत्र के खूड़गांव के पास भारी मात्रा में पर्चे फेंके थे। इन पर्चों में पुलिस की ओर से की गई गिरफ्तारी का खंडन किया था। वहीं पुलिस इस गिरफ्तारी को नक्सल संगठन से जोड़कर देख रही है। पर्चे में नक्सलियों ने पुलिस की गिरफ्तारी का नक्सल के किसी संगठन से नहीं होने की बात कही है।

गढ़चिरौली में मुठभेड़ के दौरान तीन नक्सली ढेर, 36 लाख से ज्यादा का था इनाम

कांकेर जिले की सीमा से सटे महाराष्ट्र राज्य के गढ़चिरौली जिले में रविवार को पुलिस के साथ मुठभेड़ में दलम कमांडर समेत तीन नक्सली मारे गए। इन नक्सलियों पर 36 लाख से ज्यादा के इनामी थे। जिले के भामरा गढ़ क्षेत्र के केदमारा जंगल में शाम करीब सात बजे मुठभेड़ हुई। गढ़चिरौली के पुलिस अधीक्षक (एसपी) नीलोत्पल ने कहा कि पुलिस को सूचना मिली थी कि नक्सलियों के पेरीमिली और अहेरी दलम के सदस्य माने राजाराम और पेरीमिली सशस्त्र चौकी के बीच एक वन क्षेत्र में डेरा डाले हुए हैं। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस की सी-60 फोर्स की दो इकाइयों को जंगल क्षेत्र में तलाशी अभियान चलाने के लिए प्रहिता से भेजा गया था। उन्होंने कहा कि तलाशी अभियान के दौरान नक्सलियों ने पुलिस पर गोलियां चलाईं, जिसके बाद पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की।

नक्सलियों ने निर्माण कार्य में लगे 2 टिप्पर वाहनों को किया आग के हवाले

सुकमा। जिले के फुलबगड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत इत्तापारा में नक्सलियों ने सोमवार सुबह निर्माण कार्य में लगे 2 टिप्पर वाहनों को आग के हवाले कर दिया है। घटना की सूचना मिलते ही डीआरजी की टीम मौके पर पहुंचकर वहां कार्यरत तीन मजदूरों को सुरक्षित थाना फूलबगड़ी लाया। पुलिस को बगैर सूचना के बिना सुरक्षा के कार्य करने का फायदा उठाकर नक्सलियों ने आगजनी की वारदात को अंजाम दिया है। लगातार हो रही नक्सली वारदातों से नक्सल प्रभावित इलाकों में दहशत का माहौल व्याप्त है।

सिहावा विधायक ने कार्यकर्ताओं संग बोरे बासी खाई

नगरी। श्रमिकों और मजदूरों के सम्मान में आज 1 मई अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर विधायक निज निवास नगरी में सिहावा विधायक डॉ. लक्ष्मी ध्रुव ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं संग बोरे बासी खाई।

विधायक डॉ. लक्ष्मी ने कहा कि छत्तीसगढ़ प्राचीन काल से ही अपनी समृद्ध संस्कृति एवं गौरवशाली विरासत के लिए जाना जाता है। हमारा भोजन इस जीवंत परंपरा का एक अभिन्न अंग है। बोरे- बासी एक ऐसा भोजन है जिसका सेवन हर वर्ग के लोग करते हैं।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में यहां की गौरवशाली परंपरा और समृद्ध हो रही है अब छत्तीसगढ़ के प्रमुख भोजन में शामिल बोरे बासी दुनिया भर में एक प्रसिद्ध व्यंजन के रूप में अपनी पहचान बना रहा है। हमारे मेहनतकश प्रदेश के किसानों और श्रमवीरों के सम्मान में हम सब अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर मिलकर बोरे बासी खायेंगे। छत्तीसगढ़ में पारम्परिक रूप से मेहनतकशों के दैनिक भोजन का हिस्सा बोरे-बासी रहा है। बोरे बासी में सारे पोषक तत्व मौजूद होते हैं। गर्मी के दिनों में शरीर को ठंडा रखने के साथ पाचन शक्ति बढ़ाने के लिए भी यह रामबाण है। इसे देखते हुए प्रदेश के मुखिया भूपेश बघेल ने पिछले साल से बोरे-बासी खाकर अपने पारंपरिक भोजन, संस्कृति और श्रमिकों के प्रति सम्मान प्रकट करने की शुरूआत की है। इसलिए आज हम सब कांग्रेस जन श्रमिकों के सम्मान में बोरे बासी खाए है।

उतई नगर कांग्रेस कमेटी की बैठक सम्पन्न

दुर्ग ग्रामीण। नगर कांग्रेस कमेटी उतई के कार्यालय में महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। जिसमे छग प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा निर्देशित किए गए जोन कमेटी सेक्टर कमेटी बुथ कमेटी, प्रत्येक कमेटी में 21-21 सदस्यों का चयन किया गया। पार्टी की गतिविधियों के बारे में विस्तार पूर्वक से चर्चा कर जानकारी दी गई । साथ ही आगामी दिनों में होने होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की भी जानकारी पार्टी कार्यकर्ताओं को दिया गया। बैठक में प्रमुख रूप से नगर पंचायत उतई के अध्यक्ष डीकेन्द्र हिरवानी सेवा सहकारी समिति उतई के अध्यक्ष दिवाकर गायकवाड़ उतई नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बहादुर सिंह नेताम पार्षद प्रहलाद वर्मा तोषन साहू वीरेन्द्र गोस्वामी सुरता सिंह एल्डरमैन प्रेम नारायण साहू,उमरपोटी के सरपंच टीकम ठाकुर उपसरपंच महेश कौशिक कांग्रेस कार्यकर्ता भावेश साहू धनंजय नेताम भावेश साहू सत्य प्रकाश कौशिक योगेश मांडले कुलदीप देवांगन जीतू पुरई से साहू गुरुजी उमरपोटी से टंडन एवम अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता बेठक मे उपस्थित थे।

पहंदा युवा कांग्रेस की बैठक सम्पन्न

पाटन। पाटन ब्लाक के ग्राम पहंदा में युवा कांग्रेस का बैठक रखी गई। जिसमे छग सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओ की जनकश आम जनो को देने का निर्णय लिया गया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से अमृत राजपूत (जिला महासचिव)सुमित चन्द्राकर (अध्यक्ष युवा कांग्रेस पाटन विधानसभा)योगेश चंद्राकर, हशमुख चन्द्राकर,अमीत ठाकुर, जग्गू वर्मा ,अनूप वर्मा,भावेश,अविनाश सोनी सिंह ठाकुर ,टीकम सिंह , केशव यादव ,सुरेंद्र साहू,दलेश्वर यदु ,राकेश यदु,नोबल यदु ,रोशन वर्मा,कुनाल ठाकुर, रोहन यादव, राम कुमार साहू,घनश्याम यादव एवं अन्य उपस्थित रहे। पाटन के ग्राम पचपेड़ी (पहन्डोर)मे स्व अकंट मढ़रिया के नाम से आश्रम बना पाटन विधानसभा। पाटन ब्लाक के ग्राम पचपेड़ी (पहन्डोर) मे ड्रा अरुण मढ़रिया के बाबु जी स्व अकंट मढ़रिया के नाम से आश्रम बनाया गया है।जो माता गायत्री शिक्षण व सेवा समिति रॉयपुर के द्वारा संचालित है।इस आश्रम में जो भी सेवा देना चाहते है। वे डॉ अरुण मढ़रिया गायत्री अस्पताल रॉयपुर 9827136003 से सम्पर्क कर सकते है।

दुर्ग स्टेशन से चलने वाली चार गाडियां दाधापारा से सीधे उसलापुर होते हुए होगी रवाना

बिलासपुर। विगत वर्ष में बिलासपुर शहर का विकास बहुत तेजी से हुआ है इस शहर की भौगोलिक संरचना के हिस्से में नए रिहायशी इलाके भी जुड़े है। इस शहर के पश्चिम क्षेत्र उसलापुर में भी बड़ी संख्या में कार्य स्थल एवं निवास होना प्रारम्भ हुआ है। ऐसी स्थिति में उसलापुर स्टेशन भी एक नए उपनगरीय स्टेशन के रूप में विकसित करने का कार्य चरणबद्ध तरीके से किया जा रहा है।

उसलापुर स्टेशन को बिलासपुर नगर का एक नया उपनगरीय स्टेशन के रूप में विकसित करने का कार्य प्रारंभ किया गया है एवं यहां रेल यात्रियों की सुविधाओं का क्रमिक विकास किया जा रहा है, यहां के रेल यात्री कई ट्रेनों में अब उसलापुर से ही यात्रा कर सकेंगे। रेल यात्रियों की माँग एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए, रेलवे बोर्ड के द्वारा कुछ एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव 24 अप्रैल से उसलापुर स्टेशन में दिया गया एवं कुछ का 1 मई से दिया जा रहा है। रेलवे बोर्ड के निर्देशानुसार दुर्ग एवं कटनी मार्ग से हो कर आने-जाने वाली कुछ गाडियों का परिचालन दाधापारा-उसलापुर होकर किया जायेगा। जिसके अनुसार 15159/15160 छ्पुरा-दुर्ग-छ्पुरा सारनाथ एक्स, 12853/ 2854 दुर्ग-भोपाल-दुर्ग अमरकंटक एक्सप्रेस, 12823/12824 दुर्ग-निज़ामुद्दीन-दुर्ग संपर्क क्रांति एक्सप्रेस एवं 12549/12550 दुर्ग-जम्मूतवी-दुर्ग एक्सप्रेस बिलासपुर के स्थान पर उसलापुर होकर चलेगी। उक्त गाडियों को अपने परिवर्तित मार्ग दाधापारा से उसलापुर होते हुए अपने गंतव्य स्थान के लिए रवाना होगी। उसलापुर स्टेशन एवं अन्य स्टेशनों की समय सारणी में कुछ आंशिक परिवर्तन किया गया है।

हर भारतीय के मन की बात की अभिव्यक्ति है मोदी के मन की बात: विकास मरकाम

सुदूर वनांचल गांव सिंगपुर में कमार परिवारों ने सुनी प्रधानमंत्री के मन की बात

नगरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मन की बात का 100 वा एपिसोड भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष विकास मरकाम ने सिहावा विधानसभा क्षेत्र के सुदूर वनांचल गांव सिंगपुर के बूथ क्रमांक 82 में राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र समझे जाने वाले अति पिछड़ी जनजाति कमार परिवार के सदस्यों तथा भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ बैठकर सुना। इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को उन्होंने सम्मानित भी किया।

मन की बात प्रसारण समाप्त होने के बाद उपस्थित लोगों के समक्ष अपनी बात रखते हुए विकास मरकाम ने कहा कि हम भारतवासियों का सौभाग्य है कि नरेंद्र मोदी जैसा प्रधानमंत्री हमें मिला है जो हर दिन देश को एक नई प्रेरणा एक नई ऊर्जा प्रदान करने का कार्य करते हैं। 9 साल पहले 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद से नरेंद्र मोदी जी ने विजयदशमी पर्व से मन की बात को शुरुआत को थी, जो आज तक जारी है। उन्होंने कहा कि मोदी जी आम लोगों के बीच ऐसे व्यक्ति की बात या जानकारी साझा करते है जो अन्य देशवासियों के लिए प्रेरणा बन सके।

विपरीत परिस्थितियों के बीच उत्कृष्ट प्रदर्शन या अच्छा कार्य करने वाले खिलाड़ियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, छोटे व्यवसायियों, विद्यार्थियों, किसानों, महिलाओं की बातों को मन की बात में रखते हैं। विकास मरकाम ने कहा कि मोदी जी मन की बात में जो बातें रखते हैं वह जानता के बीच उत्प्रेरक का कार्य करते हुए जन आंदोलन का रूप ले लेती है। हमने देखा था कि सेल्फी विद डॉटर अभियान भी मन की बात का हिस्सा था। सेल्फी विथ डॉटर पूरे विश्व में प्रसिद्ध हुआ। आज हर भारतीयों के लिए गर्व की बात है कि मन की बात का 100वा एपिसोड यूनाइटेड नेशन में सुना जा रहा है।

इस अवसर पर गोंड समाज के तहसील अध्यक्ष माधव सिंह ठाकुर, सर्व आदिवासी समाज के तहसील अध्यक्ष जगन्नाथ ठाकुर, भाजपा जिला मंत्री एवम मंडल प्रभारी राजेंद्र गोलछा, सांसद प्रतिनिधि भवानी यादव, मंडल महामंत्री रामायण सिन्हा, भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य श्रीमती कविता यादव, महिला मोर्चा मंडल महामंत्री श्रीमती सुनीता ध्रुव, राधेलाल सिन्हा, नोहर साहू, गज्जू साहू, धनंजय साहू सहित गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

दुर्ग-ग्रामीण भाजपा नेताओं ने प्रधानमंत्री के मन की बात सुनी

दुर्ग ग्रामीण। भाजपा उतई मण्डल के ग्राम मचांदुर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात शीतला प्रांगण में सुनी गई । इस अवसर पर प्रमुख रूप से उतई भाजपा मंडल अध्यक्ष फत्तेलाल वर्मा ,भाजयुमों अध्यक्ष प्रवीण यदु ,नवाब खान, फत्तेन्द्र सिंह राजपूत, इमरान खान, जसलोक साहू, भुखन पटेल, तोरण साहू, पुकेश्वर गजपाल, अरुण साहू, पंच तुकाराम साहू, महेंद्र निषाद, केजुराम साहू, छन्नूलाल साहू, मानसिंग देवांगन, मानीराम साहू,आशाराम साहू,बीरबल पटेल,कन्हैया यदु,रोमु साहू,ललित देवांगन, गुलशन देवांगन, देवा यादव,मनीष विश्कर्मा,वरुण ढीमर उपस्थिति थे।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

एटीएम में तोड़फोड़ कर रुपये निकलने का प्रयास विफल

दुर्ग। एटीएम में तोड़ फोड़ कर सीसी कैमरा और साउंड बॉक्स चोरी कर ले जाने वाले युवक को पुलिस ने पकड़ा है। मोहन नगर पुलिस ने बताया कि बीती रात दुर्ग स्थित बैंक ऑफ महाराष्ट्रा के एटीएम में रात को चोरी कर फरार हो गया था। सूचना मिलने पर पुलिस की पेट्रोलिंग टीम ने चोरी करने वाले आरोपी राम नगर वार्ड नंबर 1 उरला दुर्ग का निवासी रविराम साहू 35 वर्ष पकड़ लिया। आरोपी से पूछताछ में पुलिस को बताया की महिला समृद्धि मार्केट में चौकीदारी करता था। आरोपी एटीएम को चोरी करने आया था लेकिन उसके रुपये निकलने में असफल होने पर एटीएम के कैमरा और साउंड बॉक्स को निकाल कर ले गया था। बैंक मैनेजर के मुताबिक एटीएम में करीब 20 लाख रुपये था। आरोपी एटीएम तोड़ने में कामयाब हो जाता तो बड़ी घटना हो जाती। आरोपी से 27 हजार रुपये जप्त किया गया। आरोपी के खिलाफ धारा 457, 380, 427 के तहत कार्रवाई की है। उपरोक्त कार्यवाही में प्रभारी विपिन रंगारी, पेट्रोलिंग स्टाफ मनीष अग्निहोत्री, तारकेश्वर,नवीन यादव, ओम प्रकाश देशमुख, कृष्ण कुमार की अहम भूमिका रही।

अज्ञात युवकों द्वारा महिला का बैग छीनकर हुए फरार

दुर्ग। शादी कार्यक्रम से घर लौट रही महिला के साथ तीन बाइक सवार युवकों ने उसका बैग छिनकर मौके से फरार होने का मामला सामने आया है। शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ जुर्म दर्ज किया है। मोहन नगर पुलिस ने बताया कि सुभाष नगर दुर्ग निवासी रागिनी सिन्हा अपने परिवार समेत कवर्धा स्थित सिलयाटी शादी कार्यक्रम में शामिल होने बाइक से गए हुए थे। शनिवार की देर शाम दुर्ग घर लौट रहे थे। दुर्ग पहुंचने के बाद पति अपनी बाइक से किसी काम से निकल गया। पत्नी को घर छोड़ने के लिए ई रिक्शा में उसे बिठा दिया। महिला अपने पास एक बैग भी रखी हुई थी। जिसमें सोने व चांदी के जेवरात, नगदी 400, मोबाइल था। इस दौरान राजेन्द्र पार्क के समीप ई रिक्शा पहुचने पर ही तीन अज्ञात बाइक सवार युवकों ने महिला से बैग को छिनकर फरार हो गए। तीनों युवक एक ही बाइक पर सवार थे। घटना के बाद महिला ने आश पास को चिलाते हुए सभी को बुला लिया । तब आवाज सुनकर आसपास के लोग इकठ्ठा हो गए। बैग छिनकर आरोपी घटनास्थल से फरार हो गए थे।

भीषण सड़क हादसे में महिला की मौत, घंटों लगा जाम

भिलाई। शहर के खुर्सीपार थाना क्षेत्र में डबरा पारा चौक पर आज सुबह बड़ा हादसा हो गया है। आज यहां एक स्कूटी सवार महिला ट्रेलर की चपेट में आ गई और उसकी मौके पर मौत हो गई है। हादसे के बाद डबरा पारा चौक पर लंबा जाम लगा रहा। जिसे हटाने के लिए पुलिस को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। फिलहाल खुर्सीपार पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। मिली जानकारी के अनुसार हादसा सुबह करीब 10 बजे की है। भिलाई कैंप 01 निवासी उषा देवी प्रजापति अपनी बेटी के साथ जा रही थी। इस दौरान डबरा पारा चौक पर ट्रेलर की चपेट में आने से उषा देवी की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं उसकी बेटी बाल-बाल बच गई। हादसे के बाद बेटी बेहोश हो गई। फिलहाल खुर्सीपार पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

पसरखेत में फिर दिखा किंग कोबर, लोगों में मची भगदड़

कोरबा। छत्तीसगढ़ राज्य का कोरबा जिला वन्य जीवों एवम विभिन्न सारी सरीसृप के लिए जाना जाता हैं। कोरबा जहां हाथियों का घर हैं वहीं दुनियां में अपनी एक अलग पहचान और आक्रामकता से जानें वाले सरीसृप का गड़ भी हैं। हम बात कर रहे दुनियां का विषैले सांपो में सब से लंबा विषधर किंग कोबरा की जिसको स्थानी भाषा में पहाड़ चित्ती के नाम से जाना जाता हैं, यह साप केवल मध्य भारत में छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में मिलना अपने आप में दुर्लभ और चर्चा का विषय हैं यहां आए किंग कोबरा के मिलने की जानकारी मिलते रहती हैं कुछ दिन पूर्व ही 11 फिट लम्बा किंग कोबरा मिला था उसको कुछ हफ्ते हुए भी नहीं की कल शाम पसरखेत में फिर एक किंग कोबरा दिखने पर गांव वालों का हुजूम उमड़ा गया और देखते ही देखते पूरा गांव इक्कठा हो गया। भीड़ को देखते ही किंग कोबरा पास के एक आम पेड़ पर चढ़ गया, जिसके बाद गांव वालों ने इसकी जानकारी वन विभाग के बीट गार्ड नरेश यादव को दिया।

मजदूर दिवस पर मेटल माइन्स वर्कर्स यूनियन ने निकाली बाईक रैली

दंतेवाड़ा। किरंदुल में मेटल माइन्स वर्कर्स यूनियन,(इंटक) के द्वारा मजदूर दिवस के अवसर पर सोमवार सुबह 10 बजे मोटर साइकिल यूनियन भवन, बस स्टैंड किरंदुल से बाइक रैली प्रारंभ कर बीआईओपी हायर सेकंडरी स्कूल, एनएमडीसी ऑफिस चेकपोस्ट, बस स्टैंड, बाजार, अंबेडकर चौक, एसबीआई चौक होते हुए बस स्टैंड इंटक भवन में सभा आयोजित कर श्रमिको के श्रम को याद किया गया। मेटल माइन्स वर्कर्स यूनियन के अध्यक्ष विनोद कश्यप एवं सचिव एके सिंह द्वारा मजदूर दिवस की बधाई शुभकामनाएं देते हुए इस बाइक रैली को सफलता पूर्वक सम्पन्न करने वाले यूनियन के द्वारा गठित आयोजन समिति के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री ने किया बेरोजगारी भत्ता योजना का शुभारंभ

सुकमा। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की घोषणा के अनुसार छत्तीसगढ़ में 1 अप्रैल 2023 से बेरोजगारी भत्ता योजना लागू हो गई है। इस योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को हर माह 2500 रूपए का भुगतान सीधे उनके बैंक खाते में ट्रान्सफर किया जाएगा। साथ ही पंजीयन कराने वाले बेरोजगारों को कौशल विकास का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा, जो उनको रोजगार प्रदान करने में सहायक होगा। आज राज्य भर के 67 हजार हितग्राहियों के खाते में राशि अंतरित कर दी गई है।

सुकमा जिले में भी पात्र 299 हितग्राहियों का बेरोजगारी भत्ता योजना के अंतर्गत स्वीकृत हुआ है। इन्हें बेरोजगारी भत्ता के रूप में 7 लाख 47 हजार 500 रुपये की राशि डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरण हुआ है।

प्रतियोगी परीक्षा फर्म भरने एवं पुस्तक खरीदने में करेंगे बेरोजगारी भत्ता का उपयोग, युवाओं में खुशी की लहर है। आज प्रदेशभर में बेरोजगारी भत्ता स्वीकृति आदेश मिलने से जिले के बेरोजगार युवाओं में काफी उत्साह का माहौल है। युवाओं को पुस्तक खरीदने एवं प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने के लिए उन्हें आर्थिक रूप से सहायता मिली है। गादीरास निवासी कविता बहुत ही खुश है। उन्होंने बताया कि बेरोजगारी भत्ता मिलने पर उसका उपयोग कॉलेज की पढ़ाई करने में करेंगी। घर में सीमित आय होने के कारण 12वीं के बाद आगे पढ़ाई न करने का विचार था। लेकिन अब बेरोजगारी भत्ता मिलने से मुझे पढ़ाई करने में सहायता मिलेगी। जिससे मैं निश्चिंत होकर अपने आगे की पढ़ाई कर पाऊंगी।

ग्राम पेंटा से माड़वी रीना ने बताया कि यह सरकार की बहुत अच्छी योजना है। इन पैसों से मैं प्रतियोगी परीक्षा की फीस भर सकूंगी। अभी तक बहुत सारे फॉर्म पैसों के अभाव में नही भर पाती थी, परंतु इस योजना से अब मेरे खाते में हर माह 2500 रूपए आने से प्रतियोगी परीक्षा फार्म का पैसा ऑनलाईन भर पाउंगी। मेरा पूरा प्रयास रहेगा कि मैं कड़ी मेहनत से प्रतियोगी परीक्षा में सफल हो सकूं। किसी कारणवश यदि सफल नही हो पाई तो इस योजना के तहत बेरोजगार युवाओं को दी जा रही कौशल प्रशिक्षण प्राप्त कर भविष्य में रोजगार करने में सहायक सिद्ध होगी।

इस मौके पर मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि 24 मार्च को बजट पारित हुआ और 1 अप्रैल से ऑनलाइन आवेदन लेना शुरू कर दिया। आज सभी से चर्चा भी की। सबने कहा कि आगे की पढ़ाई में इससे मदद मिलेगी। आप लोग अपने सपनों को पूरा करेंगे। आप लोग बहुत स्वाभिमानी है। छोटी छोटी राशि आप स्वयं खर्च कर अपनी तैयारी कर पाएं तो आपको राहत मिलेगी।

11 मत पाकर कांग्रेस ने घरघोड़ा नपं में हासिल की विश्वास

रायगढ़। संख्या बल होने के बाद भी चुनाव में करारा हार का सामना करने के उपरांत सवा तीन साल बाद कांग्रेस ने घरघोड़ा नगर पंचायत में 11 मत से विश्वास हासिल कर अध्यक्ष की कुर्सी को अपने कब्जे में की है।

गौरतलब हो कि नगर पंचायत घरघोड़ा पिछले एक दशक से सुर्खियों में बना हुआ है। कुर्सी से लेकर अधिकारी की आपसी खींचतान विवादों में लाकर खड़ा कर रख दिया हैं इन सभी के बीच कांग्रेस द्वारा भाजपा अध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पखवाड़े भर पहले लाए थे। इसके लिए 1 मई को मतदान प्रशासनिक अधिकारी तथा पुलिसिया सुरक्षात्मक ढांचे के बीच मे 11 बजे आरंभ हुआ। जहां अविश्वास मत के लिए सभी प्रक्रिया शुरुआत किया गया। वहीं इसमें जीत के लिए कांग्रेस को 10 मत हासिल करना था जबकि संख्या बल के लिहाज से पंचायत में कांग्रेस के पास 8 पार्षद है तथा बीजेपी के पास 5 एवं दो निर्दलीय है। इनमे से प्रस्ताव से ही एक निर्दलीय का समर्थन बीजेपी को मिला हुआ था। इधर मतदान आरंभ होते ही कांग्रेस खेमे की रणनीति व क्रॉस वोटिंग के भय से जिले से बाहर रखने की योजना कारगर साबित हुआ। यहीं वजह रहा कि वोटिंग में कांग्रेस को 11 मत मिला जबकि भाजपा के खाते में 3 मत आए। जबकि एक महिला पार्षद की सेहत खराब होने के चलते इस प्रक्रिया में हिस्सा नही ले पाई। इस तरह उठापटक के दौर बीच कांग्रेस ने साख को बचाते हुए नगर पंचायत अध्यक्ष की कुर्सी को कब्जा जमाने मे सफल हो पाए है। अविश्वास मत में विश्वास मत हासिल करने से कांग्रेस खेमे में उत्साह का माहौल बना हुआ है, आतिशबाजी का दौर चल रहा है, एक दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दे रहे है। जबकि परिस्थितियों के संजोग पर भाजपा खेमे में निराशा है।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

कर्नाटक चुनाव के लिए भाजपा ने जारी किया घोषणा पत्र

नईदिल्ली। चुनावी राज्य कर्नाटक में सत्तारूढ़ दल भाजपा ने अपना घोषणा पत्र जारी कर दिया है। इस घोषणा पत्र में भाजपा ने जनता की सुविधा के लिए कई तरह की घोषणाएं की है। भाजपा ने इस घोषणा पत्र को प्रजा ध्वनि नाम दिया है, जिसमें यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू करने की घोषणा भी की है। इस घोषणा पत्र को पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा, सीएम बोम्मई और पूर्व सीएम बीएस येदियुरप्पा ने जारी किया है। संकल्प पत्र जारी करने के मौके पर जेपी नड्डा कहा कि हम पहले की तरह ही एक बार फिर किए हुए वादों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। पार्टी की घोषणा के मुताबिक गरीब लोगों को राज्य में 10 लाख घर उपलब्ध कराए जाएंगे। सामाजिक न्याय निधि स्कीम के तहत एससी-एसटी महिलाओं के लिए पांच वर्षों तक 10 हजार रुपये की एफडी करवाई जाएगी। पार्टी ने यूनिफॉर्म सिविल कोड को खासतौर से ध्यान में रखा है।

मंगलुरु में जद (एस) उम्मीदवार के लिए प्रचार करेंगे देवेगौड़ा

मंगलुरु। जनता दल (सेक्युलर) के अध्यक्ष एच डी देवेगौड़ा कर्नाटक में 10 मई को होने वाले विधानसभा चुनाव के प्रचार के लिए सोमवार को राज्य के दक्षिण कन्नड़ जिले का दौरा करेंगे। देवेगौड़ा पार्टी उम्मीदवार मोहिउद्दीन बावा के लिए मंगलुरु उत्तर निर्वाचन क्षेत्र में प्रचार करेंगे, जो हाल ही में कांग्रेस छोड़कर जद (एस) में शामिल हुए थे। जद(एस) विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) बी एम फारूक ने रविवार को संवाददाताओं को बताया कि पूर्व प्रधानमंत्री सुंकादकट्टे अंबिके अन्नपूर्णेश्वरी मंदिर, बलवंडी देवस्थान और गुरुपुरा कंबाला दरगाह भी जाएंगे। उन्होंने बताया कि उनका गुरुपुर में एक जनसभा को संबोधित करने का भी कार्यक्रम है। ऐसे में जब 8 मई को चुनाव प्रचार समाप्त होने में कुछ ही दिन बचे हैं, 89 वर्षीय देवेगौड़ा राज्यभर में कई रैलियां करने वाले हैं। फारूक ने कहा कि जद (एस) के दूसरे नंबर के नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री एच डी कुमारस्वामी पांच मई को कृष्णापुरा में एक जनसभा को संबोधित करेंगे।

महिला पहलवानों के मन की बात सुनें प्रधानमंत्री : सिब्बल

नयी दिल्ली। राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से जंतर-मंतर जाकर प्रदर्शनकारी महिला पहलवानों के 'मन की बात' सुनने का अनुरोध करते हुए कहा कि इस तरह के कदम साबित होगा कि प्रधानमंत्री उनके दर्द को समझने को तैयार हैं। वरिष्ठ अधिवक्ता सिब्बल पहलवानों की ओर से उच्चतम न्यायालय में पैरवी कर रहे हैं। उनकी टिप्पणी मोदी के मन की बात रेडियो कार्यक्रम की 100वीं कड़ी के प्रसारण के एक दिन बाद आयी है। सिब्बल ने ट्वीट किया, 'मोदी- आपके 100वें मन की बात कार्यक्रम के लिए बधाई। मोदी, यदि आपके पास समय हो तो कृपया जंतर-मंतर जाएं और प्रदर्शनकारी महिला पहलवानों के मन की बात सुनें। उन्होंने कहा, 'यह दिखाएगा कि हमारे प्रधानमंत्री उनके दर्द को समझने को तैयार हैं।' महिला पहलवानों द्वारा भारतीय कुश्ती महासंघ के प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ लगाए गए यौन उत्पीड़न के आरोपों को लेकर शुक्रवार को दो प्राथमिकी दर्ज की थी।

अगले हफ्ते फिर बंगाल आ रहे हैं गृहमंत्री अमित शाह

कोलकाता। गृहमंत्री अमित शाह इसी महीने एक बार फिर से पश्चिम बंगाल की यात्रा पर आने वाले हैं। शाह नौ मई को कोलकाता आ रहे हैं। इस दौरान वे गुरुदेव रवींद्र नाथ टैगोर जयंती पर आयोजित होने वाले सास्कृतिक कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। भाजपा के कार्यकर्ता उनकी इस यात्रा को लेकर काफी उत्साहित हैं, क्योंकि अगले वर्ष लोकसभा चुनाव से पहले गृहमंत्री की इस यात्रा को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भाजपा सूत्रों के मुताबिक नोबेल से सम्मानित गुरुदेव रविंद्र नाथ टैगोर के जयंती पर एक सांस्कृतिक संगठन की ओर से उनको निमंत्रण दिया गया था, जिसे गृहमंत्री ने स्वीकृति दे दी है। इस कार्यक्रम में पश्चिम बंगाल के वरिष्ठ नेता और नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी के भी शामिल होने की उम्मीद है। इस सांस्कृतिक कार्यक्रम में नृत्यांगना तनुश्री शंकर, अभिनेता रितुपर्णा सेनगुप्ता और गायिका सोमलता आचार्य के भी शामिल होने की संभावना है। आगामी लोकसभा के मद्देनजर गृहमंत्री का दौरान काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

केंद्र सरकार ने 14 पाकिस्तानी ऐप को किया बैन

नईदिल्ली। केंद्र सरकार ने पाकिस्तान की कई ऐप्स के विरुद्ध बड़ा कदम उठाया है। केंद्र सरकार ने आईबी के द्वारा मिले इनपुट के बाद पाकिस्तान से संचालित होने वाली 14 मैसेजिंग ऐप्स को बैन कर लिया है। इन ऐप्स का उपयोग जम्मू कश्मीर में बड़े पैमाने पर आतंक फैलाने के लिए किया जाता था। इसे लेकर खुफिया एजेंसियों ने आईबी को जानकारी दी थी। सूत्रों के अनुसार इन मोबाइल एप्लिकेशन का उपयोग कश्मीर में आतंकवाद को फैलाने के लिए किया जाता था। इन ऐप्स का उपयोग आतंकवादी अपने समर्थकों और अंडरग्राउंड वर्कर्स के साथ संवाद करने के लिए करते थे। इसका मुख्य उद्देश्य आंतकवाद फैलाना ही था, जिस कारण सरकार ने इन ऐप्स के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है। जानकारी के मुताबिक सुरक्षा एजेंसियां आतंकवादियों द्वारा आपस में संवाद करने के लिए उपयोग होने वाले चैनलों पर कड़ी नजर रखती है। इन्हें संचार माध्यमों को ट्रैक किया जाता है।

केंद्रीय गृहमंत्री ने कर्नाटक में किया रोड शो

भाजपा सरकार ने चार प्रतिशत मुस्लिम कोटा खत्म कर दिया : शाह

गुब्बी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को यहां एक विशाल रोड शो किया, जिस दौरान उन्होंने लोगों से 10 मई को होने जा रहे कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए समर्थन मांगा। शाह विशेष रूप से 'डिजाइन' किये गये एक वाहन पर खड़े थे और उनके साथ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के तुमकुर से सांसद जी एस बसवराज तथा पार्टी के अन्य नेता भी थे। मार्ग के दोनों ओर और आस-पास की इमारतों पर मौजूद लोगों ने शाह का अभिवादन किया। रोड शो के दौरान शाह के वाहन के साथ-साथ काफी संख्या में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता चल रहे थे, जो पार्टी का झंडा लिये हुए थे और भाजपा तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समर्थन में नारे लगा रहे थे। यहां तुमकुर जिले में रोड शो के समापन पर गृह मंत्री ने लोगों से भाजपा उम्मीदवार को वोट देने की अपील की और यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि मोदी के नेतृत्व में राज्य में 'डबल इंजन की सरकार' सत्ता में आए। शाह ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री बी एस येदियुरप्पा और मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कर्नाटक के लिए काफी काम किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने मुस्लिमों को मिलने वाला चार प्रतिशत आरक्षण खत्म कर दिया और वोक्कालिगा, लिंगायत तथा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति समुदाय के लिए 'कोटा' बढ़ा दिया। उन्होंने कहा, ''यदि कांग्रेस सत्ता में आएगी, तो वह (बढ़ाये गये) इन सभी आरक्षण को वापस ले लेगी और एक बार फिर से मुस्लिम आरक्षण ले आएगी। क्या आप चार प्रतिशत मुस्लिम आरक्षण चाहते हैं?'' उन्होंने कहा, ''यदि आप कर्नाटक में डबल इंजन की सरकार लाते हैं, तो मोदी जी एक बार फिर 2024 में प्रधानमंत्री बनेंगे।

हताशा में कांग्रेस नेता प्रधानमंत्री के खिलाफ उगल रहे हैं 'जहर' : नड्डा

बेंगलुरु। कांग्रेस नेता प्रियांक खरगे द्वारा नरेंद्र मोदी को 'नालायक' कहे जाने के बाद भाजपा ने सोमवार को कांग्रेस पर निशाना साधा और इसकी अगुवाई करते हुए सत्तारूढ़ पार्टी के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने कहा कि विपक्षी नेता अपने आकाओं को 'खुश' करने के लिए प्रधानमंत्री के खिलाफ ऐसी का इस्तेमाल कर रहे हैं। उनका इशारा स्पष्ट रूप से सोनिया गांधी और राहुल गांधी की ओर था। नड्डा ने संवाददाताओं से कहा कि कांग्रेस 'मानसिक दिवालियेपन' से गुजर रही है और उसके नेता प्रधानमंत्री के खिलाफ अपमानजनक का इस्तेमाल करने में गांधी परिवार का अनुसरण कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''वे अपने वरिष्ठ नेताओं को खुश करने के लिए ऐसा कर रहे हैं।'' भाजपा अध्यक्ष ने दावा किया कि कांग्रेस पहले ही दक्षिणी राज्य में चुनाव हार चुकी है और इसी 'हताशा' में उसके नेता मुंह से 'जहर' उगल रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोग इस तरह की को स्वीकार नहीं करते हैं। उन्होंने कहाकि प्रधानमंत्री के लिए लोगों का प्यार बढ़ ही रहा है। प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने प्रियांक खरगे पर तंज कसते हुए पूछा कि अगर वह कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बेटे नहीं होते तो वह क्या कर रहे होते? उन्होंने कहा, ''कोई अनुमान लगा सकता है क्या! अपने पिता की बदौलत यहां तक पहुंचा व्यक्ति लोकतांत्रिक रूप से चुने गए प्रधानमंत्री को 'नालायक' कह रहा है। प्रधानमंत्री से असहमत होना, उनकी आलोचना करना ठीक है लेकिन इस प्रकार की टिप्पणी की जाती है तो यह उनके भ्रष्ट दिमाग को दर्शाता है। जूनियर खरगे को अपनी सीट बचाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।'' मल्लिकार्जुन खरगे के प्रधानमंत्री को 'जहरीला सांप' कहने के कुछ दिनों बाद उनके बेटे और पूर्व मंत्री प्रियंक खरगे ने अब उन्हें (मोदी को) 'नालायक' कहा है। राज्य में 10 मई को होने वाले विधानसभा चुनाव में कलबुर्गी जिले के चित्तपुर से फिर से चुनाव लड़ रहे प्रियंक ने मोदी के एक संबोधन को उद्धृत करते हुए कहा, जब आप (प्रधानमंत्री मोदी) गुलबर्गा (कलबुर्गी) आए थे, तो आपने बंजारा समुदाय के लोगों से क्या कहा था? 'आप सब लोग डरिये मत। बंजारा का एक बेटा दिल्ली में बैठा है'।

प्रियांक खरगे ने पीएम मोदी पर की आपत्तिजनक टिप्पणी

बेंगलुरु। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बाद उनके बेटे प्रियांक खरगे ने भी पीएम मोदी पर आपत्तिजनक टिप्पणी कर दी है। प्रियांक खरगे ने अपने बयान में पीएम मोदी को लेकर कहा कि अगर ऐसा नालायक बेटा होगा तो देश कैसे चलेगा। इससे पहले मल्लिकार्जुन खरगे ने भी पीएम मोदी पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी, जिस पर खूब हंगामा जारी है। मल्लिकार्जुन खरगे के बेटे और पूर्व मंत्री प्रियांक खरगे ने कहा कि मालखेड़ा आने पर मोदी ने बंजारा समुदाय से क्या कहा? मोदी ने कहा कि बंजारा समाज का बेटा दिल्ली में है लेकिन ऐसा बेटा होगा तो कैसे चलेगा? देश ही नहीं चलाते। प्रियांक खरगे ने कहा कि घर में नालायक पुत्र होने पर भी घर सुचारू रूप से नहीं चलता है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बासवराज बोम्मई ने कहा है कि प्रधानमंत्री कभी नहीं रोए हैं। उन्होंने कहा कि यह कांग्रेस है जो बीते नौ सालों से रो रही है। दरअसल सोशल मीडिया पर CryPMPayCM नाम से एक कैंपेन चल रहा है।

राहुल ने दिया मोदी के 91 बार अपशब्द का जवाब

बेंगलुरु। कर्नाटक चुनाव में रैलियों का दौर जारी है। इस क्रम में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने तुरुवेकेरे में एक जनसभा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से कई सवाल किये उन्होंने कहा कि आपने कर्नाटक में पिछले तीन साल में भ्रष्टाचार और ''40 प्रतिशत कमीशन'' रोकने के लिए क्या किया?

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि आपने कांग्रेस द्वारा आपको 91 बार अपशब्द कहे जाने के बारे में बात की लेकिन कर्नाटक के लिए आपने क्या किया, इस पर कोई बात नहीं की। प्रधानमंत्री को यह समझना होगा कि यह चुनाव किसी एक व्यक्ति के बारे में नहीं है, और ना ही नरेंद्र मोदी के बारे में है।

राहुल गांधी ने कर्नाटक में एक चुनावी रैली में कहा कि आप (प्रधानमंत्री) चुनाव प्रचार करने के लिए कर्नाटक आए लेकिन कर्नाटक के बारे में बात नहीं की, आपने अपने ही बारे में बात की। उन्होंने कहा कि यह चुनाव आपके (प्रधानमंत्री) बारे में नहीं है, यह कर्नाटक और उसके लोगों के लिए है। आपने (प्रधानमंत्री) अपने भाषणों में मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई और बी एस येदियुरप्पा का नाम तक नहीं लिया, आपके भाषण आपके बारे में ही थे।

आपको बता दें कि इससे पहले कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने भी पीएम मोदी पर करारा प्रहार किया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा गालियों के संबंध में टिप्पणी पर रविवार को कहा कि सार्वजनिक जीवन में इस तरह की बातों को झेलने का साहस दिखाना चाहिए। प्रियंका ने प्रधानमंत्री को अपने भाई राहुल गांधी से सीख लेने की भी सलाह दी जो ''देश की खातिर गोली खाने को तैयार हैं। आपको बता दें कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के 'जहरीले सांप' वाले बयान को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए पीएम मोदी ने शनिवार को कहा कि अब तक पार्टी और उसके नेताओं ने उन्हें 91 बार तरह-तरह की गालियां दी हैं।

पिछले चुनाव में भाजपा ने विधायकों को पैसा देकर सरकार चोरी की थी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कर्नाटक के तुमकुरु में चुनावी रैली को संबोधित किया और भाजपा का साथ-साथ पीएम मोदी पर भी जमकर हमला बोला। राहुल गांधी ने भाजपा पर पैसों से विधायक खरीदने और लोकतंत्र को खत्म करने का आरोप लगाया। राहुल गांधी ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, पिछले चुनाव में कर्नाटक की जनता ने भाजपा को नहीं चुना था।

भाजपा ने विधायकों को पैसा देकर लोकतंत्र को नष्ट करके कर्नाटक में सरकार चोरी की थी। पिछले 3 सालों से भाजपा ने कर्नाटक में केवल भ्रष्टाचार किया है। कर्नाटक की जनता ने भाजपा सरकार को 40% की सरकार कहा है मतलब जो भी ये काम करते हैं उसमें ये जनता से 40% कमीशन चोरी करते हैं। राहुल गांधी ने आगे कहा, प्रधानमंत्री कर्नाटक आते हैं, लेकिन सिर्फ अपनी बात करते हैं। मोदी बताइए आपने पिछले 3 साल में कर्नाटक के लिए क्या किया और राज्य में शिक्षा, स्वास्थ्य और युवाओं के लिए क्या करेंगे? ये चुनाव आपके बारे में नहीं, कर्नाटक के भविष्य के बारे में है। आप कहते हैं कांग्रेस ने आपको 91 बार गाली दी, लेकिन ये कभी नहीं कहते कि आपने कर्नाटक के लिए क्या किया? कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने तुमकुरु में जनसभा को संबोधित करने के दौरान अजान की आवाज सुनकर अपने भाषण को थोड़ी देर के लिए रोका भी। बता दें कि कर्नाटक विधानसभा चुनावों की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आती जा रही है वैसे-वैसे सियासी पारा भी चढ़ता जा रहा है।

खेल
प्रमुख समाचार

ट्रायल्स में भाग नहीं लेंगे सानिया सहित तीन खिलाड़ी

नई दिल्ली। राष्ट्रमंडल खेलों में दो बार की चैंपियन साइना नेहवाल फिटनेस कारणों से एशियाई खेलों के लिए राष्ट्रीय बैडमिंटन चयन ट्रायल्स में भाग नहीं लेगी। भारतीय बैडमिंटन संघ तेलंगाना में स्थित ज्वाला गुट्टा अकादमी में चार से सात मई तक एशियाई खेलों के लिए टीम का चयन करने के लिए ट्रायल का आयोजन करेगा। एशियाई खेल 23 सितंबर से आठ अक्टूबर तक चीन के हांगझू में खेले जाएंगे। बैडमिंटन संघ के महासचिव संजय मिश्रा ने कहा,'साइना नेहवाल फिटनेस कारणों से भाग नहीं लेगी।। इसके अलावा कुशल राज और प्रकाश राज ने भी ट्रायल्स से अपना नाम वापस ले लिया है। हालांकि जिन अन्य खिलाड़ियों को ट्रायल के लिए आमंत्रित किया गया था वह सभी इसमें भाग लेंगे।' साइना आखिरी बार ऑरलियन्स मास्टर्स में खेली थी। पिछले कुछ समय से चोटों से जूझ रही इस पूर्व विश्व नंबर एक खिलाड़ी ने जनवरी में बैडमिंटन एशिया मिश्रित टीम चैंपियनशिप के ट्रायल में हिस्सा नहीं लिया था।

एशियाई खेलों के लिए चयन ट्रायल में भाग लेने वाले खिलाड़ी

पुरुष एकल- लक्ष्य सेन, किदांबी श्रीकांत, प्रियांशु राजावत, मिथुन मंजूनाथ, साई प्रणीत, मैसनम मीराबा, भरत राघव, अंसल यादव, सिद्धांत गुप्ता। **महिला एकल-** आकाशी कश्यप, मालविका बंसोद, अश्मिता चालिहा, अदिति भट, उन्नति हुड्डा, अलीशा नाइक, श्रियांशी वलीशेट्टी, अनुपमा उपाध्याय। **पुरुष युगल-** एमआर अर्जुन/ध्रुव कपिला, कृष्ण प्रसाद/विशुवर्धन, सूरज गोला/पृथ्वी रॉय, नितिन एचवी/साई प्रतीक। **महिला युगल-** अश्विनी भट/शिखा गौतम, तनीषा क्रास्टो/अश्विनी पोनप्पा, राधिका शर्मा/तन्वी शर्मा। **मिश्रित युगल-** रोहन कपूर/सिक्की रेड्डी, साई प्रतीक/तनिषा क्रास्टो, हरिहरन/वार्शिनी, हेमागेंद्र बाबू/कनिका कंवल।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर ने पकड़ी रफ्तार, चार महीने के हाई पर

नईदिल्ली। देश के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में इस साल तेजी देखी जा रही है। आंकड़े देखें तो अप्रैल का मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई चार महीनों के उच्चतम स्तर पर है। माना जा रहा है कि मजबूत फैक्ट्री ऑर्डर और प्रोडक्शन की वजह से मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई अप्रैल में 56.4 से बढ़कर अप्रैल में 57.2 हो गया है। मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई का अप्रैल का आंकड़ा एसएंडपी ग्लोबल इंडिया मैन्युफैक्चरिंग परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) ने जारी किए हैं। एस एंड पी ग्लोबल इंडिया मैन्युफैक्चरिंग परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स की इकोनॉमिक एसोसिएट डायरेक्टर पॉलिन्ना डी लीमा ने कहा कि नए ऑर्डर मिलने से और प्रोडक्शन में तेजी आने की वजह से इस सेक्टर में तेजी देखने को मिली है। उन्होंने आगे कहा, 'कंपनियों पर प्राइस प्रेशर कम देखने को मिला है। साथ ही बेहतर इंटरनेशल सेल्स और सप्लाई चेन की स्थिति में सुधार से भी सेक्टर को फायदा मिला है।

कमर्शियल सिलेंडर के दाम हुए कम, 171 रुपये हुआ सस्ता

नई दिल्ली। एलपीजी सिलेंडर के दाम आज से कम हो गए हैं। यह राहत केवल कमर्शियल सिलेंडर पर दी गई है। एक मई से एलपीजी सिलेंडर के दाम 171.50 रुपये कम हो गए हैं। ऐसे में दिल्ली में आज से एलपीजी कमर्शियल सिलेंडर 1856.50 रुपये में मिलेंगे। वहीं कोलकाता में यह 1960.50 रुपये और मुंबई में 1808.50 रुपये में मिलेगा। चेन्नई में इसकी कीमत 2021.50 रुपये होगी। कमर्शियल सिलेंडर का इस्तेमाल अक्सर होटलों, रेस्तरां आदि जगहों पर किया जाता है। वहीं, 14.2 किलो वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। इससे पहले पिछले महीने यानी अप्रैल में भी कमर्शियल सिलेंडर के दामों में 92 रुपये की कटौती की गई थी। वहीं मार्च में इसके दामों में 350 रुपये से अधिक की वृद्धि की गई थी। हर महीने की पहली तारीख को एलपीजी के नए रेट जारी किए जाते हैं।

फर्जी कॉल और मैसेज पर ट्राई ने लागू किया नया नियम

नईदिल्ली। अगर आप फर्जी कॉल और एसएमएस से तंग आ गए हैं तो चिंता न करिए, 1 मई से टेलीकॉम रेगुलेटर ने इनकमिंग कॉल्स और एसएमएस के लिए नया नियम लागू कर दिया है। 1 मई से लागू इस नए नियम में ट्राई ने एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस फिल्टर डाला है जिसके जरिए किसी भी यूजर के नंबर पर बैंकिंग या अन्य मार्केटिंग कंपनियों की तरफ से आने वाले फर्जी कॉल और मैसेज पर लगाम लग सकेगा। इस सर्विस के लागू होते ही यूजर्स को इन सभी फेक कॉल और मैसेज से छुटकारा मिल जाएगा। ट्राई ने सभी टेलीकॉम कंपनियों को इस नियम को लेकर सूचित कर दिया है। इस नए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस स्पैम फिल्टर को टेलीकॉम कंपनियां 1 मई से फोन कॉल और मैसेज के लिए लगा देंगी। मौजूदा समय में टेलीकॉम कंपनी एयरटेल ने एआई फिल्टर लगाने की सुविधा शुरू कर दी है। वहीं, रिलायंस जियो जल्द ही इस फिल्टर को अपने यूजर्स के लिए लाने वाला है।

मारुति सुजुकी की थोक बिक्री अप्रैल में 7% बढ़ा

नईदिल्ली। मारुति सुजुकी इंडिया ने सोमवार को बताया कि अप्रैल में उसकी कुल थोक बिक्री सात प्रतिशत बढ़कर 1,60,529 इकाई रही। मारुति सुजुकी इंडिया ने एक बयान में कहा कि उसने अप्रैल 2022 में डीलरों को 1,50,661 इकाइयां भेजीं। कंपनी की घरेलू बिक्री अप्रैल 2023 में सालाना आधार पर नौ प्रतिशत बढ़कर 1,43,558 इकाई हो गई। ऑल्टो और एस-प्रेसो जैसी छोटी कारों की बिक्री सालाना आधार पर 18 प्रतिशत घटकर 14,110 इकाई रह गई। हालांकि, कॉम्पैक्ट खंड में बिक्री 27 प्रतिशत बढ़कर 74,935 इकाई हो गई। इस खंड में स्विफ्ट, सेलेरियो, इग्निस, बलेनो और डिजायर जैसी गाड़ियां शामिल हैं। एमएसआई ने कहा कि ब्रेजा, ग्रैंड विटारा और एर्टिगा जैसे उपयोगिता वाहनों की बिक्री आठ प्रतिशत बढ़कर 36,754 इकाई हो गई।

क्या डॉलर का विकल्प बन सकता है रूपया?

विक्रम उपाध्याय

क्या भारतीय रुपया एक वैश्विक मुद्रा बनने जा रहा है? क्या रुपया डॉलर का विकल्प हो सकता है? ये कुछ सवाल इसलिए कि बदलते वैश्विक परिदृश्य में अमेरिकी डॉलर में कारोबार की बजाय बहुत सारे देश अब किसी और मुद्रा के विकल्प की तलाश में लगे हैं। चूंकि भारत का विदेशी व्यापार उन देशों से ज्यादा है, जिन पर या तो अमेरिका ने आर्थिक पाबंदियां लगा रखी है या जो अमेरिका के साथ किसी न किसी मुद्दे पर टकराव रखते हैं। इसलिए हमारे लिए रुपये को एक ग्लोबल पहचान दिलाना सरल हो सकता है। हालांकि इस समय कोई भी मुद्रा वैश्विक मुद्रा के रूप में स्थापित नहीं है, फिर भी अमेरिकी डॉलर को यह मान लिया गया है कि यही विश्व व्यापार में सर्वमान्य मुद्रा है। किसी भी देश की आर्थिक मजबूती का आधार ही इस समय उसके डॉलर रिजर्व को माना जाता है। एक समय था कि जब सोना के भंडारण के बराबर किसी देश की मुद्रा की कीमत आंकी जाती थी। यानी कोई देश कितनी मुद्रा का प्रचलन कर सकता था, यह उसके सोना भंडारण और उसकी कीमत के आधार पर तय होता था। पर द्वितीय विश्व युद्ध के बाद अमेरिका आर्थिक रूप से इतना संपन्न और एक स्थिर अर्थव्यवस्था बन गया कि अब अमेरिकी डॉलर के रिजर्व को देश की संपत्ति का आधार माना जाता है। आज विश्व का 60 प्रतिशत से अधिक विदेशी मुद्रा भंडार अमेरिकी डॉलर में है। डॉलर के बाद यूरोपियन मुद्रा यूरो है, जो कुल विदेशी मुद्रा भंडारण में 20 फीसदी हिस्सा रखता है। विश्व स्तर पर भारतीय रुपये की लोकप्रियता चौथे नंबर पर है। पर विश्व की दस मजबूत मुद्रा में हम अभी नहीं आते।

यदि व्यापारिक चलन में किसी मुद्रा की हैसियत सबसे अधिक है तो वह नि:संदेह अमेरिकी डॉलर की है। 85 प्रतिशत वैश्विक लेन देन में डॉलर ही प्रयोग में लाया जाता है। यानी आयात-निर्यात के लिए मान्य वैश्विक मुद्रा डॉलर है। येन और यूरो में भी वैश्विक व्यापार हो रहा है पर डॉलर के मुकाबले बहुत कम। चीन ने बहुत कोशिश की कि युआन को वह वैश्विक मुद्रा के रूप में पहचान दिलाए पर उसके रास्ते में कई बाधाएं हैं, जिसमें अमेरिका और यूरोप के साथ उसके व्यापारिक टकराव भी हैं। कुछ समय पहले युआन को वैश्विक मुद्रा बनाने के लिए चीन ने आक्रामक नीति अपनाई थी, लेकिन 2020 के बाद से चीन की अर्थव्यवस्था में गिरावट और अमेरिकी प्रतिबंधों के बाद पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना ने डॉलर से प्रतिद्वंद्विता के बजाए युआन को डॉलर के मुकाबले स्थिर रखने में ही सारा ध्यान लगा दिया है। पिछले दो साल में युआन का डॉलर के मुकाबले लगभग 8 फीसदी अवमूल्यन हो चुका है। इस समय लगभग दो फीसदी वैश्विक व्यापार में ही युआन के जरिए लेन देन हो रहा है। लेकिन यहां बात रुपये की है। भारतीय रूपया कभी भी वैश्विक मुद्रा के रूप में चलन में नहीं आया, हां विगत कुछ वर्षों से कुछ द्विपक्षीय और कुछ बहु पक्षीय व्यापारिक लेन देन में रुपये का महत्व तेजी से बढ़ा है। वर्ष 2007 में जहां रुपये में वैश्विक व्यापार का प्रतिशत केवल 0.7 था, अब वह बढ़कर 1.6 प्रतिशत हो गया है। लेकिन अब इसमें कुछ तेजी आने की संभावना है। भारत के साथ रुपये में व्यापार करने के लिए 18 देशों के साथ रिजर्व बैंक ने समझौता कर लिया है। इनमें बोत्सवाना, फिजी, जर्मनी, गुयाना, इजरायल, केन्या, मलेशिया, मॉरिशस, म्यांमार, न्यूजीलैंड, ओमान, रूस, सेसेल्स, सिंगापुर, श्रीलंका, तंजानिया, यूगांडा और ब्रिटेन शामिल हैं। इसका सीधा सा अर्थ है कि इन देशों से आयात का भुगतान हम रुपये में कर सकते हैं और निर्यात के बदले रुपये में भुगतान प्राप्त कर सकते हैं। इन सभी देशों में रिजर्व बैंक स्पेशल वोस्त्रो अकाउंट खोलने की मंजूरी देगा। यह एक अतिरिक्त व्यवस्था है जिसके तहत विदेशों के बैंक भारतीय रुपये वाले खाते रखेंगे और मुद्रा के परिवर्तन की सुविधा प्रदान करेंगे। रुपये को वैश्विक व्यापार की मुद्रा बनाने के पीछे भारत सरकार की एक लंबी सोच व योजना है। पहला लक्ष्य है कि डॉलर के भंडारण पर आने वाले व्यय को कम करना।

राहुल की सदस्यता बहाली में नयी अड़चन

अजय सेठिया

राहुल गांधी इस कोशिश में लगे हुए हैं कि मोदी सरनेम वाले केस में उनके कनविक्शन पर रोक लग जाए। असल में कानून के जानकारों ने बिना किसी कानूनी आधार के यह धारणा बना दी है कि अगर कोर्ट कनविक्शन पर स्टे लगा देती है, तो राहुल गांधी की सदस्यता बहाल हो जाएगी। भले ही वह बरी न हों। लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला ने कानूनविदों की इसी राय के बाद लक्षद्वीप के सांसद मोहम्मद फैजल की सदस्यता बहाल कर दी थी। हालांकि कानून में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है कि कनविक्शन पर स्टे लगने से सदस्यता बहाल हो जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने 2013 में अपने फैसले में जन प्रतिनिधित्व कानून की धारा (8) 4 को तो रद्द किया था। इस धारा के रद्द हो जाने के बाद अब धारा (8) 3 के मुताबिक दो साल या उससे ज्यादा सजा पर सांसद या विधायक की सदस्यता खत्म हो जाती है। अगर कवविक्शन पर रोक लगने मात्र से सदस्यता बहाल कर दी जाएगी तो यह पहले जैसी स्थिति ही हो जाएगी, जिसके मुताबिक दोषी ठहराए जाने और सजा हो जाने के बावजूद वे आखिरी अदालत के फैसले तक सांसद और विधायक बने रहेंगे। राजनीतिज्ञों ने सांसदी और विधायकी बचाए रखने के लिए कनविक्शन पर स्टे का चोर दरवाजा निकाल लिया है। लक्षद्वीप से चुने गए मोहम्मद फैजल की सदस्यता बहाल करके लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला ने इस चोर दरवाजे को मान्यता दे दी है। केरल हाईकोर्ट से कन्विक्शन पर स्टे के बावजूद जब स्पीकर ने दो महीनों तक उनकी सदस्यता बहाल नहीं की थी, तो मोहम्मद फैजल सुप्रीमकोर्ट चले गए थे। सुप्रीम कोर्ट ने उनकी याचिका पर सुनवाई के लिए 29 मार्च की तारीख तय की थी। लेकिन 29 मार्च को सुनवाई से दो घंटे पहले ही लोकसभा स्पीकर ने उनकी सांसदी को फिर से बहाल कर दिया। हालांकि दूसरी तरफ केरल हाईकोर्ट के फैसले को लक्षद्वीप प्रशासन ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी हुई है। राहुल गांधी का मामला भी इस लाईन पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कन्विक्शन पर स्टे के लिए गुजरात हाईकोर्ट में याचिका लगाई हुई है। ताकि अगर कन्विक्शन पर स्टे लग जाता है तो मोहम्मद फैजल की तरह उनकी सांसदी भी बहाल हो जाएगी और यह मोदी सरकार की बहुत बड़ी हार होगी। लेकिन अब इसमें नया पेंच फंस गया है। लखनऊ के एक एडवोकेट अशोक पांडे ने सुप्रीमकोर्ट में याचिका दायर करके सवाल किया है कि जब फैजल की सजा को किसी बड़ी कोर्ट ने रद्द नहीं किया है, तो उनकी लोकसभा सदस्यता बहाल कैसे हो गई। एडवोकेट ने जनप्रतिनिधित्व कानून का हवाला देकर सवाल किया है कि लोकसभा स्पीकर कैसे उनकी सांसदी को बहाल कर सकते हैं। उनका कहना है कि टॉप कोर्ट इस मामले में संजीदगी से विचार करे, क्योंकि इसी स्थिति को तो 2013 में सुप्रीमकोर्ट की दो सदस्यीय पीठ ने खत्म किया था, जब जस्टिस एके पटनायक और जस्टिस एसजे मुखोपाध्याय की पीठ ने अपने फैसले में कहा था कि दोषी ठहराए जाने की तारीख से ही उनकी सदस्यता खत्म हो जाएगी। अशोक पांडे की नई याचिका ने कन्विक्शन पर स्टे के बाद सांसद या विधायक की सदस्यता बहाली पर प्रश्न चिन्ह लगा दिया है। मोहम्मद फैजल के मामले में उनके कन्विक्शन पर स्टे लगा है, उन्हें बरी नहीं किया गया। याचिकाकर्ता अशोक पांडे ने अपनी याचिका में कहा है कि अगर हाईकोर्ट उन्हें 307 के मामले से ही बरी कर देता तो बात और थी। लेकिन हाईकोर्ट ने सिर्फ कन्विक्शन और सजा पर रोक ही लगाई है।

कांग्रेस के लिए प्रतिष्ठा का प्रश्न बना जालंधर

समीर चौगांवकर

कर्नाटक में हो रहे विधानसभा चुनाव के साथ पंजाब की जालंधर लोकसभा सीट पर भी उपचुनाव हो रहा है। गौरतलब है कि इसी साल जनवरी में भारत जोड़ो यात्रा के दौरान 76 साल की उम्र में जालंधर से कांग्रेस के सांसद संतोख सिंह चौधरी का निधन हो गया था। कांग्रेस ने जालंधर लोकसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए संतोख सिंह चौधरी की पत्नी करमजीत कौर को टिकट दिया है। आम आदमी पार्टी ने दलित नेता सुशील कुमार रिंकू को टिकट दिया है। आप पार्टी और उसके मुख्यमंत्री भंगवत सिंह मान दोनों ही 2022 के पंजाब विधानसभा चुनाव में मिली शानदार जीत को बरकरार रखना चाहते है, इस कारण आप पार्टी के लिए जालंधर सीट जीतना बेहद जरूरी है।

गौरतलब है कि भगवंत मान के मुख्यमंत्री बनने के बाद उनके द्वारा खाली की गई लोकसभा सीट संगरूर से भिंडरवाले समर्थक सिमरनजीत सिंह मान की जीत ने आप पार्टी को तगड़ा झटका दिया था।

जालंधर दलितों के लिए आरक्षित निर्वाचन क्षेत्र है। यहां से दो बार के लोकसभा सांसद चौधरी संतोख सिंह के जनवरी में निधन के कारण उपचुनाव हो रहा है। देखा जाए तो जालंधर परंपरागत रूप से कांग्रेस का गढ़ रहा है और इस निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस सिर्फ चार बार हारी है। कांग्रेस को दो बार अकाली दल के हाथों और दो बार जनता दल से हार का सामना करना पड़ा है। इस लोकसभा क्षेत्र में नौ विधानसभा क्षेत्र आते हैं जिनमें कांग्रेस के पांच और आप के चार विधायक हैं।

आप पार्टी की भले ही प्रदेश में सरकार हो लेकिन जालंधर में उसके पास एक भी भरोसेमंद उम्मीदवार नहीं था जो कांग्रेस को चुनौती दे सके। इस कारण आप पार्टी ने 2022 में कांग्रेस के टिकट

पर जालंधर पश्चिम विधानसभा सीट से चुनाव लड़ने वाले रिंकू को पार्टी में शामिल कर अपना उम्मीदवार बनाया है।

इस बार जालंधर की जंग किसी भी दल के लिए आसान नहीं है क्योकि जालंधर में इस बार पंच-कोणीय लड़ाई हो रही है। अकाली दल ने जहां बंगा से अपने विधायक सुखबिंदर कुमार को मैदान में उतारा है, वहीं भाजपा ने अकाली दल से आए इंदर इकबाल अटवाल पर दांव लगाया है। पिछले साल जून में संगरूर लोकसभा उपचुनाव में जीत के बाद सिमरनजीत सिंह मान के अकाली दल (अमृतसर) को भी हल्के में नहीं लिया जा सकता। उन्होंने अपने विश्वासपात्र गुरजंट सिंह कद्दू को प्रत्याशी बनाया है।

जालंधर क्षेत्र में दलितों की बड़ी आबादी है। यहां 2022 के चुनाव में 16,69,098 वोटरों में 42.7 फीसद दलित थे। ऐसे में यहां की चुनावी लड़ाई की दिशा दलित वोटर ही तय करते हैं। दलित भावनाओं को भुनाने के लिए कांग्रेस ने राज्य के एकमात्र दलित मुख्यमंत्री रहे चरणजीत चन्नी को प्रचार अभियान की कमान सौंपी है। चन्नी रामदसिया सिख हैं और उन्हें इस समुदाय के डेरों का करीबी माना जाता है।

भाजपा प्रत्याशी अटवाल मजहबी सिख हैं। उनके पिता चरणजीत सिंह अटवाल 2019 में अकाली-भाजपा के संयुक्त उम्मीदवार थे और कांग्रेस के चौधरी से करीब 19,000 मतों से हार गए थे। वाल्मीकि मजहबी सिखों ने अतीत में जालंधर में रामदासी/रविदासी/आदि धर्मी समुदाय को चुनौती दी, और आप, शिरोमणि अकाली दल (शिअद), कांग्रेस और शिअद (अमृतसर) के उम्मीदवार इसी समुदाय से हैं। अटवाल अपने पिता की विरासत को हासिल करते हुए वाल्मीकि/मजहबी सिखों की चुनौती आगे बढ़ाने की उम्मीद कर रहे हैं। हालांकि परंपरागत रूप से भाजपा के पास ग्रामीण पंजाब में काडर नहीं है। इसलिए उसने दलबदल जैसे साधनों का सहारा लिया है। अटवाल भी चुनाव से कुछ दिन पूर्व अकाली दल से भाजपा में आए थे।

पंजाब की ग्रामीण आबादी ने 2020 में केंद्र सरकार के तीन कृषि कानूनों के लिए भाजपा को अभी तक माफ नहीं किया है। ऐसे में यहां भाजपा उम्मीदवार को ग्रामीण क्षेत्रों से वोट लेना मुश्किल काम होगा। शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने जालंधर लोकसभा उपचुनाव के लिए बंगा से विधायक डॉ. सुखविंदर कुमार सुखी को अकाली दल-बसपा का उम्मीदवार बनाया है। सुखविंदर कुमार सुखी 2017 और 2022 के पंजाब विधानसभा चुनाव में जीत दर्ज कर चुके हैं। अमृतपाल प्रकरण के कारण आप पार्टी ने पंथिक वोटरों की सहानुभूति खो दी है, जिन्हें आकर्षित करने की कोशिश सुखबीर बादल का शिरोमणि अकाली दल कर रहा है। अकाली दल के अलावा सिमरनजीत मान भी अपने उम्मीदवार के लिए पंथिक वोट की उम्मीद कर रहे है।

अकाली दल से गठबंधन टूटने के बाद भाजपा पंजाब में अपने पैर जमाने की भरसक कोशिश कर रही है। जालंधर सीट पर भाजपा ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। भाजपा ने हरियाणा के 7 सांसदों और कई विधायकों को जालंधर कैम्प करने के लिए कहा है। हरियाणा से सिरसा की सांसद सुनीता दुग्गल, रतिया विधायक लक्ष्मण नापा, पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवार, राज्यसभा सांसद कृष्ण पाल पंवार, पानीपत मेयर अवनीत कौर, हांसी विधायक विनोद भयाणा जालंधर में लगातार पार्टी का प्रचार कर रहे है। सांसद सुनीता दुग्गल ने जालंधर में दिव्य ज्योति जागृति संस्थान नूरमहल में भी माथा टेका। पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर ने प्रसिद्ध पीर मुराद शाह की दरगाह पर जाकर आशीर्वाद लिया, वही हरियाणा के राज्यसभा सांसद कृष्ण पाल पंवार ने डेरा सचखंड बल्ला के मौजूदा गद्दीनशीन संत निरंजन दास महाराज के दर्शन किए। डेरा सचखंड बल्ला की जालंधर क्षेत्र में काफी मान्यता है।

फिलहाल सभी दल अपनी अपनी जीत का दावा कर रहे हैं और जमीनी स्तर पर पसीना बहा रहे हैं लेकिन जमीनी स्तर से आ रही खबरों की माने तो मुख्य मुकाबला कांग्रेस और आप पार्टी में ही है। चुनाव में अपनी ताकत आजमा रहे कांग्रेस, आप पार्टी, भाजपा, अकाली दल और मान की पार्टी में से कौन बाजी मारता है, यह 13 मई को मतगणना के दिन ही पता चलेगा।

प्रसंग — हिन्दू-तुरुक भेद कछु नाहीं

प्रयाग में स्वामी प्रपन्नाचार्य नामक एक महान संत हो गये हैं। उनको त्याग वृत्ति तथा पाण्डित्य से लोग बड़े प्रभावित थे। प्रयाग में जब माघ का मेला लगता, तब ये शिविर लगाते और मध्याह्न के समय भगवान् को भोग लगाकर उपस्थित लोगों में प्रसाद बाँटते। यह काम उनके प्रिय शिष्य गोविन्दजी, जो आगे चलकर परमार्थभूषण गोविन्दाचार्य के नाम से प्रसिद्ध हुए, के द्वारा किया जाता था। एक बार गोविन्दजी प्रसाद का वितरण कर रहे थे कि स्वामीजी को बाहर कोलाहल सुनायी दिया। उन्होंने गोविन्दजी को बुलाकर कोलाहल का कारण पूछा। गोविन्दजी ने कहा महाराज ! एक मियाँ आइ गवा रहा। ओही से बतियाव हुई गवा। का? स्वामीजी ने आश्चर्य से पूछा।

महाराज। ऊ परशाद माँगत रहा।

तो ओह का परशाद दिया की नाहीं ?

नाहीं महाराज!

काहे ?

महाराज! ऊ जो मुसलमान रहा।

यह सुनते ही महाराज को पश्चाताप हुआ। वे बोले, गोविन्द। हम तुमका गीता नहीं पढ़ावा ? गीता मां भगवान कहिन है अहं वैश्वानरो भूत्वा प्राणिनां देहमाश्रितः । तब तू ओह में विराजमान वैश्वानररूपी नारायण का भोजन करे तेऊ कि मुसलमान का? एही तुम गीता समझे हो ? भोजन तो नारायण को जात है. ना हिन्दू को, न मुसलमान का परशाद देत मां कोई भेद ना करो। जावं ओह का परशाद देऊ आवा।

गोविन्दजी जब दरवाजे पर गये, तो उन्हें वह व्यक्ति चला गया था। गोविंदजी उसे ढूँढकर ले आये और उससे क्षमा माँगकर उन्होंने उसे पेट भर भोजन कराया।

आज की महत्वपूर्ण घटनाएं

1953 हुसैन को जॉर्डन के राजा का ताज पहनाया गया।
1968 इजरायल ब्रॉडकास्टिंग अथॉरिटी ने टेलीविजन प्रसारण शुरू किया।
1969 ब्रिटिश महासागर के लाइनर क्वीन एलिजाबेथ 2 साउथेम्प्टन से न्यूयॉर्क शहर के लिए समुद्री यात्रा पर रवाना हुए।
1981 जनरल मोटर कॉर्पोरेशन ने 2 मई, 1918 को एक अलग डिवीजन के रूप में शेवरले मोटर कंपनी का अधिग्रहण किया। शेवरले मोटर कंपनी की स्थापना 3 नवंबर, 1911 को विलियम सी। दुरंत ने की थी, जो जनरल मोटर्स के संस्थापक भी थे।
1982 मौसम से सम्बंधित चैनल पहली बार केबल टेलीविजन पर प्रसारित किया गया।
1982 फॉकलैंड्स वार-एचएमएस विजेता ने तीन टॉरपीडो लॉन्च किए और ऋऋद्दद्गद्दड्डद्य द्बद्यद्दड्डठ्ठश्च को जहाज में डाल दिया, जो अब तक का एकमात्र जहाज है, जो एक न्यूक्लियरसुमेरिन द्वारा डूब गया था।
1986 संयुक्त राष्ट्र अमेरिका की 30 वर्षीया एन. बैन्क्राफ़ उत्तरी ध्रुव पर पहुँचने वाली प्रथम महिला बनीं।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

शाण्डिल्यापोनषद् (भाग-17)

गतांक से आगे...

ऐसा सुनकर अथर्वा मुनि ने कहा- हे शाण्डिल्य ! यह सत्य है कि परब्रह्म निष्क्रिय एवं अक्षर रूप है, तब भी इस अविनाशी परब्रह्म के तीन स्वरूप सकल, निष्कल एवं सकल-निष्कल हैं।

जो सत्यरूप, विज्ञानयुक्त, आनन्दस्वरूप, क्रियारहित, निरञ्जन, सर्वव्यापी, सूक्ष्मातिसूक्ष्म, चतुर्दिक् मुखवाला, अनिर्वचनीय और अमर है, यह ब्रह्म का निष्कल रूप है। इसके पश्चात् अब इस परब्रह्म की जो सहज अविद्या, मूल प्रकृति और माया शक्ति है, वह लाल, श्वेत एवं कृष्ण रंग से युक्त है। उस (माया) की सहायता प्राप्त करके यह देव कृष्ण एवं पीत रंग से युक्त होकर सभी का ईश्वर और नियन्ता होता है। यह इस ब्रह्म का सकल रूप है। तत्पश्चात् इस परब्रह्म ने ज्ञानमय तप से वृद्धि प्राप्त कर इच्छा की कि मैं विभिन्न रूपों में प्रकट (प्रादुर्भूत) हो जाऊँ। तदनन्तर तप प्रारम्भ किया। तभी समस्त कामनाओं से सम्पन्न तीन अक्षर प्रादुर्भूत हुए, वैसे ही तीन व्याहृतियाँ, तीन पदों वाली गायत्री, तीन वेद, तीन देव, तीन वर्ण एवं तीन अग्नियाँ उत्पन्न हुईं। जो यह देव भगवान् होकर समस्त ऐश्वर्यो से सम्पन्न, सर्वत्र व्याप्त रहने वाला, समस्त प्राणियों के हृदय में रहने वाला, मायावी एवं माया के साथ क्रीड़ा कल्लोल करता है, वही ब्रह्मा, वही विष्णु, वही रुद्र, वही इन्द्र, वही समस्त देवताओं एवं सभी भूत-प्राणियों के रूप में है। वही अग्रभाग में, वही पृष्ठभाग में, वही उत्तर की ओर, वही दक्षिण की ओर, वही नीचे की ओर तथा वही ऊर्ध्व की ओर प्रतिष्ठित है। इस तरह से वही सब कुछ हैं। यह देव अपनी शक्ति से क्रीड़ा करने वाला तथा अपने भक्तों के प्रति अनुकम्पा बनाये रखने वाला है। इसका शरीर दत्तात्रेय रूप, सुन्दर, वस्त्र रहित, कमल की पंखुड़ी के सदृश कोमल, चार भुजाओं से सम्पन्न, भयंकरता से रहित एवं पापरहित होकर प्रकाश से युक्त है। यही उसका सकल-निष्कल रूप है। इसके पश्चात् महर्षि शाण्डिल्य ने अथर्वा मुनि से पुन: प्रश्न किया- हे भगवन! मात्र सत्य स्वरूप, चैतन्य युक्त एवं आनन्दस्वरूप एकरस सम्पन्न यह परब्रह्म क्यों कहा जाता है? तब अथर्वा मुनि ने उत्तर दिया- हे शाण्डिल्य ! वह ब्रह्म स्वयं वृद्धि को प्राप्त होता है तथा अन्य दूसरों को वृद्धि प्रदान करता है, अत: इस कारण से वह अविनाशी शाश्वत ब्रह्म कहलाता है। **क्रमशः...**

विश्व अस्थमा दिवस

अभिलाष श्रीवास्तव

अस्थमा, सांस की गंभीर बीमारियों में से एक है। इस बीमारी के कारण कुछ स्थितियों में आपके लिए सांस लेना मुश्किल हो जाता है। अगर समय रहते उपचार न मिल पाए तो स्थिति काफी गंभीर भी हो सकती है, यही कारण है कि जिन लोगों को अस्थमा की दिक्कत होती है, उन्हें लगातार बचाव के उपाय करते रहने की सलाह दी जाती है। रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (सीडीसी) के अनुसार अमेरिकी बच्चों में अस्थमा की समस्या काफी आम है, हर 12 में से 1 बच्चे को अस्थमा है। विशेषज्ञों का कहना है कि जिन लोगों को इस तरह की सांस की दिक्कत होती है उन्हें अपने आहार और जीवनशैली पर विशेष ध्यान देते रहने की आवश्यकता होती है। विश्व स्तर पर अस्थमा से बचाव और रोकथाम के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए हर साल 2 मई को वर्ल्ड अस्थमा डे मनाया जाता है।

आमतौर पर जब हम सांस लेते हैं तब हमारी नाक के माध्यम से हवा गले और फिर वायुमार्ग से होते हुए फेफड़ों तक पहुंचाती है। फेफड़े में बहुत से छोटे वायु मार्ग होते हैं जो हवा से ऑक्सीजन को आपके रक्तप्रवाह में पहुंचाने में मदद करते हैं। अस्थमा की स्थिति में वायुमार्ग संकीर्ण या सूज जाते हैं। कुछ स्थितियों में बलगम का उत्पादन भी बढ़

जाता है। इस स्थिति में सांस लेना मुश्किल हो सकता है और जब हम सांस छोड़ते हैं तो खांसी, सीटी की आवाज (घरघराहट) होती है. अस्थमा एक क्रोनिक समस्या है जिसके लिए आपको निरंतर देखभाल की आवश्यकता होती है।

अस्थमा के क्या लक्षण होते हैं?

अस्थमा की स्थिति में सांस लेने में तकलीफ और घरघराहट की समस्या सबसे सामान्य है। इसके अलावा लोगों में अस्थमा के प्रकार और इसकी गंभीरता के आधार पर लक्षण भिन्न-भिन्न हो सकते हैं। सामान्यतौर पर इस तरह की समस्याएं अधिक देखने को मिलती हैं। खांसी, विशेष रूप से रात में। सीने में जकड़न और सांस लेने में तकलीफ महसूस होते रहना। थकान-छाती में दर्द। तेजी से सांस लेने की आवश्यकता महसूस होना। धूल या विपरीत परिस्थितियों में सांस न आने जैसा अनुभव।

किसी व्यक्ति में अस्थमा के विकसित होने के कई कारण हो सकते हैं। इसे आनुवांशिक भी माना जाता है, यानी कि यदि आपके परिवार में किसी को अस्थमा की समस्या रह चुकी है तो आपमें भी इसका खतरा हो सकता है। इसके अलावा बचपन में वायरल संक्रमण भी आपमें इसके जोखिम को बढ़ा सकती है। कुछ लोगों में धूल, मोल्ड, पराग कण, पालतू जानवरों के रोएं या ठंडक के कपड़ों के कारण भी अस्थमा ट्रिगर हो सकता है।

आपमें अस्थमा की समस्या कितनी गंभीर है, इस आधार पर इसका इलाज किया जाता है। इसके लिए डॉक्टर आपको कुछ दवाइयां देते हैं जिससे अस्थमा अटैक में तुरंत मदद मिल सके, इसके लिए कुछ दवाएं अस्थमा अटैक से बचाव के लिए दी जाती हैं। हालांकि जिन लोगों को यह समस्या होती है उन्हें निरंतर बचाव और ट्रिगर को समझते हुए उससे रोकथाम करते रहना आवश्यक होता है। अस्थमा रोगियों को हमेशा अपने पास इनहेलर रखने की सलाह दी जाती है।

अस्थमा से बचाव कैसे करें?

अस्थमा अटैक को रोकने के लिए बचाव के उपायों को करते रहना बहुत आवश्यक माना जाता है। इसके लिए आपको सबसे पहले उन कारकों के बारे में समझने की जरूरत होती है जो आपकी समस्या को बढ़ा सकते हैं। धूल, मोल्ड या पराग कणों के संपर्क में आने से बचना चाहिए, ये समस्या को बढ़ा सकते हैं। नियमित रूप से सांस वाले व्यायाम करें जिससे फेफड़ों को स्वस्थ रखा जा सके और अस्थमा के लक्षणों को गंभीर होने से बचाया जा सके।

पाकिस्तानी सेना चीफ के बयान में है गुड मैसेज

रहीस सिंह

पिछले दिनों पाकिस्तान की नैशनल असेंबली के 'इन कैमरा सेशन' में सुरक्षा हालात पर ब्रीफिंग देते हुए पाकिस्तानी आर्मी के चीफ जनरल आसिफ मुनीर ने दो बातों पर विशेष फोकस किया। एक, हमें नए और पुराने पाकिस्तान की बहस को छोड़कर हमारे पाकिस्तान की बात करनी चाहिए। दो, जनता के निर्वाचित प्रतिनिधि लक्ष्य निर्धारित करें। पाकिस्तानी सेना देश की तरक्की और कामयाबी के सफर में उनका पूरा साथ देगी। अब यहां कुछ सवाल उठने स्वाभाविक हैं। जनरल मुनीर के 'हमारे पाकिस्तान' का अर्थ परंपरागत है या फिर कुछ नया? क्या रावलपिंडी के रियल स्टेक होल्डर्स इस्लामाबाद के पॉलिटिकल इस्टैब्लिशमेंट को इतना स्पेस देना चाहेंगे कि वे स्वयं लक्ष्य निर्धारित करें और उन पर आगे बढ़ सकें? पाकिस्तानी आर्मी आर्थिक संकट, राजनीतिक अस्थिरता और सरकार तथा सुप्रीम कोर्ट के टकराव के बीच कहीं कोई नया गेम खेलना तो नहीं चाह रही है?

आर्थिक संकट और राजनीतिक अस्थिरता के साये में सरकार और न्यायपालिका के बीच जो टकराव चल रहा है, वह अनिश्चित राजनीति के लिए एक उत्प्रेरक (कैटलिस्ट) का काम कर सकता है। ऐसे में पाकिस्तानी आर्मी चीफ के बयान को कुछ विश्लेषक भले इस रूप में देखें कि सरकार और न्यायपालिका में कशमकश के बीच सेना ने अपनी पोजिशन ले ली है, वास्तव में उसकी पोजिशन है क्या, यह किसी को भी पता नहीं। एक बात और, इतिहास में कुछ अपवादों को छोड़कर पाकिस्तानी

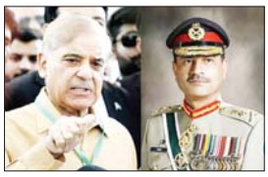

न्यायपालिका उसी छोर पर खड़ी दिखती रही है जहां से सेना के बूटों की आवाज आती है। तो क्या अब वह इससे अलग दिखने का साहस जुटा पाएगी?

दरअसल पाकिस्तान को तीन ताकतें गवर्न करती रही हैं। पहली, आर्मी (जिसके साथ आईएसआई भी है) जिसे डीप स्टेट कहा जाता है। दूसरी, प्रॉक्सी स्टेट जो कट्टरपंथियों के रूप में संस्थापित है। तीसरी, अमेरिका जिसका सिपहसालार बनकर पाकिस्तान सामर्थ्य हासिल करता रहा है। हालांकि बदले हालात में अमेरिका अब उसके साथ नहीं दिख रहा और चीन के उद्देश्य अलग हैं। पाकिस्तान की समझ रखने वाले भलीभांति जानते होंगे कि पाकिस्तानी सेना, कट्टरपंथी समूहों और मदरसों के बीच गहरे संबंध हैं। वैसे तो पाकिस्तान के जन्म में ही कट्टरपंथ निर्णायक भूमिका में था, जिसे बाद में सेना अपने शासन को धर्मसम्मत बनाने में प्रयुक्त करती रही। जनरल जिया उल हक ने जब इस गठबंधन को अतिरेक में ताकत प्रदान की, उसके बाद तो 'माई लॉर्ड्स' सैन्य जनरलों की उंगली पकड़कर चलते हुए नजर आए थे। मिलिट्री और मदरसा के गठजोड़ की बुनियाद पर खड़ा पाकिस्तान ही यह पुराना और परंपरागत पाकिस्तान है। नया भी इससे अलग नहीं होगा। उदाहरण के तौर पर सेना और तहरीक-ए-लब्बैक जैसे कट्टरपंथी इस्लामी समूहों या आंदोलनों के बीच छद्म संबंधों को देखा जा सकता है।

इस कॉकस को जो भी तोड़ने या कमजोर करने की कोशिश करता है, वह सत्ता से बाहर हो जाता है, भले ही पहले कभी सेना का प्यादा रहा हो। ध्यान रहे कि नवाज शरीफ भी कभी आईएसआई के टेस्ट ट्यूब बेबी कहे जाते थे और इमरान खान सेना की तरफ से खेलने वाले खिलाड़ी। लेकिन परिणाम क्या रहे? जिस नए और पुराने पाकिस्तान की बात जनरल मुनीर कर रहे हैं, उसमें 'नया पाकिस्तान' इमरान खान गढ़ना चाहते थे। वह एक मॉडरेटर के तौर पर आए थे लेकिन देखते ही देखते राजनीति के साथ-साथ वे इमामत का भी दावा करने लगे। ऐसे नए पाकिस्तान को बनते सेना नहीं देख सकती थी जिसमें राजनीतिक मुखिया इमामत भी करे। यह विशेषाधिकार तो सेना के पास ही है। परिणाम यह हुआ कि इमरान खान सत्ता से बाहर हो गए और शाहबाज शरीफ व्यवस्था के जरिए फिर परंपरागत पाकिस्तान को स्वीकार कर लिया गया। सेना का सरकार और संसद के साथ खड़ा दिखना इसी पटकथा का एक हिस्सा है। जहां तक न्यायपालिका की बात है तो उसके लिए हमें पाकिस्तानी इतिहास में झांकना होगा, जहां न्यायपालिका सैन्य तख्तापलट को सफल क्रांति का दर्जा देती आई है। कमोबेश प्रत्येक तख्तापलट को न्यायपालिका कानूनी मान्यता देती रही और लोकतंत्र जनरलों और मार्शलों के बूटों तले रौंदा जाता रहा। आखिरी धक्का जनरल जिया ने लगाया। जब आईएसआई ने राजनीतिक व्यवस्था में दखलंदाजी शुरू की तो मिलिट्री-मौलवी का एक स्थायी गठजोड़ तैयार कर लिया। जुलाई 1977 में जियाउल हक ने जुल्फिकार अली भुट्टो को पद्च्युत कर सत्ता पर कब्जा किया और भुट्टो को फांसी पर चढ़ा दिया। इस मामले में न्यायपालिका ने सेना का साथ किस तरह से दिया था, उसे बेनजीर भुट्टो ने अपनी आत्मकथा 'डॉटर ऑफ द ईस्ट' में स्पष्ट किया है। जनरल जिया के इसी गठजोड़ का परिणाम था 'बीयर ट्रैप' स्ट्रैटेजी का प्रयोग, जिसके तहत भारत के खिलाफ जम्मू-कश्मीर से एक 'प्रॉक्सी वॉर' की शुरूआत हुई थी। साफ है कि पाकिस्तान कभी नया या पुराना नहीं रहा, बल्कि वही रहा जिसकी नींव जिन्ना ने एक विशेष उद्देश्य से एक विशेष नारे के साथ डाली थी। यह आगे भी ऐसा ही रहेगा। फिर भी आर्मी चीफ की 'हमारे पाकिस्तान' जैसी शब्दावली पर शायद लोग विचार करें। लेकिन इससे पहले उन्हें यह विचार करने की जरूरत होगी कि जब तक पाकिस्तान मॉडरेटेड अथवा गाइडेड डेमोक्रेसी के रूप में चल रहा है, तब तक 'हमारे' शब्द का अर्थ वही निकलेगा जो कभी अयूब खान ने निकाला था, जो याहया खान की समझ में आया था, जिसे जिया उल हक ने नया आकार दिया था और जिसे जनरल परवेज मुशर्रफ ने आगे ले जाने का काम किया था।

संकटों से घिरा और राजनीतिक रूप से बंटा-बिखरा पाकिस्तान आने वाले समय में और कई नई चुनौतियों का सामना कर सकता है। सरकार किसी भी राजनीतिक दल की बने, प्रधानमंत्री कोई भी निर्वाचित हो, रियल स्टेक होल्डर तो सेना ही रहेगी। खेल के नियम रावलपिंडी से ही तय होंगे, इस्लामाबाद से नहीं।

बापू की दिनचर्या

प्रात:कालीन प्रार्थना

शहद और सोडा -बॉय-कार्ब पीने के बाद सुबह की प्रार्थना के लिए थोड़ी देर रहती और सामने कोई अत्यावश्यक पत्र या लेख लिखने का काम होता तो उतनी देर तक बापू लालटेन के प्रकाश में लिखने बैठ जाते। बापू के दैनंदिन जीवन में सबसे महत्त्व की बात उनकी ईश्वर- प्रार्थना थी। परमात्मा पर उनकी अटूट श्रद्धा और उसके प्रति निरंतर अपना संबंध उनके मन में सर्वदा, हर क्षण जागरूक रहता। इसीलिए उनकी प्रभुप्रार्थना बिलकुल हार्दिक होती और उससे वे वह शक्ति प्राप्त करते, जो किसी मानवीय अथवा आसुरी ताकत के जरिये कोई पा नहीं सकता। यह शक्ति, यह बल सबके बीच बाँटना उनका उद्देश्य था । इसीलिए अपने दैनिक जीवन में सर्वप्रथम सामूहिक रूप से सबको संग लेकर वे भगवान की प्रार्थना करते। सांसारिक जीवन में उनका अपना कुछ भी नहीं था, था प्राणिमात्र के रूप में प्रकटित परमपिता की सेवा में सर्वतोभावेन आत्मसमर्पण। वे अपने मन, प्राण और तन को इस सेवा का माध्यम मानते और अत्यंत सजगता से ठीक रखते। उनका सारा जीवन प्रार्थनासमन्वित था या यों कहें कि प्रार्थना उनका जीवनसंगीत था। वे चाहे सेवाग्राम के शांतिमय वातावरण में रहते या दौरे पर या कोलाहलभरे जनसमूह के बीच, जेल में या राजनीतिक मंच पर, स्वस्थ रहते या आमरण उपवास की स्थिति में, रेल में रहते या जहाज पर, प्रार्थना सदा उनके दैनिक जीवन का अभिन्न अंग रही।

ईश्वर में ज्यों-त्यों बापू का विश्वास दृढ़ होता गया, त्यों-त्यों प्रार्थना के प्रति उनकी निष्ठा में वृद्धि होती गई। उन्होंने अनुभव किया कि शरीर के लिए आहार जिस प्रकार अनिवार्य है, उसी प्रकार प्रार्थना आत्मा के लिए अनिवार्य है। सच पूछा जाए तो शरीर के लिए आहार उतना जरूरी नहीं, जितनी जरूरी आत्मा के लिए प्रार्थना। शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से आहार त्याग या उपवास की स्थिति प्राय: आ जाती है, लेकिन प्रार्थना- त्याग या उसके उपवास का कोई प्रश्न नहीं। वे जीवन- नौका का कर्णधार ईश्वर को मानते और उस पर श्रद्धा रखकर संसार-सागर से पार होना संभव मानते।

संक्षिप्त समाचार

गृहमंत्री साहू ने बोरबासी खाकर किया श्रमिकों का सम्मान

रायपुर। प्रदेश के गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस पर सभी श्रमिक भाई-बहनों को बधाई दी है। श्री साहू ने श्रमिकों को शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस लाखों मजदूरों के परिश्रम, दृढ़ निश्चय और निष्ठा का दिवस है। एक श्रमिक देश के निर्माण में बहुमूल्य भूमिका निभाता है और उसका देश के विकास में अहम योगदान होता है। इस अवसर पर गृहमंत्री साहू ने अपने निवास में कांग्रेस साथियों के साथ बोरे बासी का आनंद लिया। उन्होंने कहा कि बोरे-बासी हमारी छत्तीसगढिया संस्कृति का अहम हिस्सा है। इसलिए मेरी आप सभी लोगों से अपील है कि बोरे बारी तिहार में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लीजिए। अपने परिवार जनों को प्रोत्साहित करिए कि वो बारे बासी का सेवन करें और अपने सेहत के साथ ही छत्तीसगढ़ की अमूल्य परंपरा को भी मजबूत बनाकर रखें।

हादसे के बाद भड़का आक्रोश, एनएच पर लगा दो किमी लंबा जाम

बलौदाबाजार। छत्तीसगढ़ के बलौदाबजार में सोमवार को एक युवक की ट्रक से कुचलकर मौत हो गई। इसके बाद स्थानीय ग्रामीणों ने बवाल कर दिया। युवक को मौत से गुस्साए लोगों ने नेशनल हाईवे पर ट्रक में आग लगा दी। इसके चलते रास्ता जाम हो गया। हंगामे के चलते दो किमी तक वाहन फंसे रहे। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने लोगों को समझाकर वहां से हटाया। इसके बाद फायरब्रिगेड कर्मियों ने आग पर काबू पाया। मामला भाटापारा थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, बिलाईगढ़ के गाम मिरचित निवासी महेश केवट अपने परिवार के किसी सदस्य का इलाज कराने के लिए भाटापारा पहुंचा था। इस दौरान वह नेशनल हाईवे-130 के चौक पर पानी पीने के लिए गाड़ी से उतरा और सड़क पार करने लगा। तभी तेज रफ्तार ट्रक ने उसे कुचल दिया। इससे मौके पर ही महेश की मौत हो गई। हादसे के बाद चालक ट्रक छोड़कर भाग निकला। वहीं हादसा होते देख लोगों को गुस्सा फूट पड़ा। लोगों ने ट्रक में आग लगा दी। बीच सड़क पर ट्रक धू-धू कर जलने लगा। हाईवे पर बवाल और आगजनी होती देख लोगों ने अपनी गाड़ियां रोक दी। कुछ ही देर में हाईवे पर दोनों ओर से जाम लग गया। सूचना मिलते ही पुलिस के साथ एसडीएम रोमा श्रीवास्तव सहित अन्य अफसर पहुंच गए। उन्होंने लोगों को समझाकर किसी तरह से शांत किया। वहीं फायरब्रिगेड की जानकारी मिलने पर पहुंच गई और ट्रक में लगी आग पर काबू पाया। इसके बाद ही हाईवे खुल सका और यातायात सुचारू कराया गया।

लगातार बारिश से जनजीवन हुआ अस्त-व्यस्त, दो मई तक ऑरेंज अलर्ट जारी

गौरेला पेंड्रा मरवाही। पश्चिमी विक्षोभ की वजह से मौसम में आए परिवर्तन से लगातार हो रही बारिश आठ दिन बाद आज भी जारी है, गौरेला पेंड्रा मरवाही इलाके में लगातार तेज हवाओं के साथ बारिश हो रही है। इस दौरान कई जगहों पर ओलावृष्टि भी हुई। अप्रैल माह में जिले में अब तक 100 मिलीमीटर बारिश दर्ज हो चुकी है। वहीं, पिछले 24 घंटे में 22 मिलीमीटर बारिश हुई है जबकि पेंड्रा का न्यूनतम तापमान 17 डिग्री दर्ज किया गया है जो छत्तीसगढ़ में सबसे कम है। जिले के साथ छत्तीसगढ़ के कई इलाके में दो मई तक ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की सदस्य ने किया बीजापुर का दौरा

बीजापुर। छत्तीसगढ़ महिला आयोग की सदस्य बालो बघेल ने रविवार को बीजापुर का दौरा किया। बालो बघेल ने बीजापुर में सखी सेंटर और पंचशील आश्रम में जाकर नक्सल पीड़ित बच्चों से मुलाकात की। इस बीच बालो बघेल ने मीडिया से बातचीत किया। उन्होंने कहा कि, पीड़ित महिलाओं को उनका अधिकार दिलाने के लिए महिला आयोग लगातार काम कर रहा है। ये आयोग महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में प्रयासरत है। बालो बघेल ने कहा छत्तीसगढ़ में पीड़ित महिलाओं को न्याय दिलाने हमारी टीम काम कर रही है। महिलाओं को सशक्त और जागरूक करने का हम काम करते हैं। अक्सर ऐसे मामले सामने आते जिनमें महिलाओं का शोषण होता है। ज्यादातर दो पत्नी रखने का मामला देखने को मिल रहा है। ऐसे कई केस सखी सेंटर में हैं। कुछ केस का निराकरण हुआ है, तो कुछ केस पेंडिंग पड़े हैं। जिन पर काम हो रहा है। बालो बघेल बीजापुर के सुदूर इलाकों का दौरा करने बीजापुर पहुंची हैं। इन्होंने अंदरुनी इलाकों का दौरा किया। महिलाओं के साथ हो रहे अत्याचार पर आवाज उठाया। बालो के प्रवास के दौरान सखी सेंटर के कर्मचारी मौजूद थे। नक्सलगढ़ कुटरू के पंचशील बालिका आश्रम में 33 बच्चियां है। इस आश्रम में नक्सल पीड़ित हिंसा में मारे गये परिवार की बच्चियां है। ये बच्चियां आर्थिक और शारीरिक रूप से कमजोर हैं।आश्रम के बच्चों की ओर से महिला आयोग के सदस्य से क्रिकेट किट, बॉलीवॉल, बैडमिंटन और खेल से जुड़ी वस्तुएं और ट्रेनर की मांग की गई है। साथ ही संगीत की शिक्षा के लिए भी शिक्षक की मांग की गई है।

हमारी सरकार श्रमिकों और किसानों के लिए काम कर रही : भूपेश

सीएम भूपेश, नंदकुमार साय ने मजदूरों के साथ खाया बोरे बासी, अथान, चटनी, भाजी, बड़ी-बिजौरी के साथ किया सामूहिक भोज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल रायपुर के साइंस कॉलेज स्थित प्रदेश स्तरीय श्रमिक सम्मेलन में शामिल हुए। इस दौरान सीएम और कांग्रेस में आज शामिल हुए वरिष्ठ आदिवासी नेता नंदकुमार साय ने मजदूरों के साथ श्रमिक दिवस पर बोरे बासी का आनंद लिया। अथान, चटनी, भाजी, बड़ी-बिजौरी और गोंदली के साथ बोरे-बासी तिहार में शमिल होकर मजदूरों के साथ जमीन पर बैठकर सामूहिक भोज किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पिछले साढ़े 4 सालों में 2 लाख 94 हजार से अधिक श्रमिकों का पंजीयन श्रम कार्यालय में हुआ है और इन श्रमिकों को रोजगार भी मिला है। मेधावी छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत छात्रवृत्ति राशि को बढ़ाया गया है। 10वीं और 12वीं में पढ़ाई करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को 85त्न से अधिक अंक लाने पर 5 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दी गई है। श्रमिकों के जीवन में बदलाव लाने के लिए नवीन योजनाओं की शुरुआत की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बोरे बासी में गजब विटामिन भरा हुआ है। छत्तीसगढ़ के बासी में डॉ. खूबचंद बघेल की लिखी पंक्तियों के साथ अपनी बात की शुरुआत की । उन्होंने कहा कि आज हमारे श्रमिकों का त्योहार है, आज हमारा प्रदेश जिस बढ़िया स्थिति में है उसकी वजह हमारे श्रमिकों का श्रम है। पिछले 4 साल से हमारी सरकार श्रमिकों और किसानों के लिए काम कर रही है। यह सहायता सीधे खाते में राशि जा रही है। इससे वे अपने पसंद की वस्तु खरीद सकते हैं। लॉकडाउन से जब दुनिया जूझ रही थी तब हमारे मजदूर काम कर रहे थे। हमारे प्रदेश ने उन कठिन दिनों में भी मंदी नहीं देखी, इसके पीछे आपका श्रम है। नीले रंग की मोबाइल मेडिकल गाड़ी आती है और नि:शुल्क इलाज हो जाता है। श्रमिकों की मृत्यु या दुर्घटना हो जाने पर राशि दी जा रही

है। महिला श्रमिकों के लिए ई रिक्शा का अनुदान दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि तेंदूपत्ता श्रमिकों के लिए मानदेय बढ़ा दिया गया है। तीज त्योहार हमारे श्रमिक भाई खूब मन से मनाते हैं। इसे प्रोत्साहन देने का काम हमारी सरकार द्वारा हो रहा है। आज का दिन हम बोरे बासी त्योहार के रूप में मनाया जा रहा है। पिछले साल सबने बोरे बासी खाई। श्रमिकों के भोजन का सम्मान किया। अपने खानपान के सम्मान का गौरव हमें है। करमा और ददरिया जैसे गीत श्रमिक गाते हैं। हम इन्हें केंद्र में लाये हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बोरे-बासी छत्तीसगढ़िया श्रमिकों की संस्कृति का अहम हिस्सा है और उनके सम्मान और योगदान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए ही बोरे-बासी तिहार मनाया जा रहा है। बोरे-बासी श्रमिकों का प्रिय आहार भी है और उनके जीवन का अहम हिस्सा भी। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के विकास में श्रमिकों का योगदान अमूल्य है और उनके प्रयासों से हम नवा छत्तीसगढ़ गढ़ने की ओर तेजी से आगे बढ़ रहे है।

इस मौके पर श्रम मंत्री, डॉ शिव कुमार डहरिया, पूर्व सांसद नंद कुमार साय, विधायक कोंडागांव मोहन मरकाम, संजारी बालोद विधायक संगीता सिन्हा, महिला आयोग की अध्यक्ष किरणमयी नायक, रायपुर पश्चिम के विधायक विकास उपाध्याय, खनिज विकास निगम के अध्यक्ष गिरीश देवांगन,संसदीय सचिव श्री शफी अहमद आदि मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने की महत्वपूर्ण घोषणाएं

- मुख्यमंत्री निर्माण मजदूर मंथली सीजन टिकट कार्ड योजना के अंतर्गत ऐसे पंजीकृत निर्माण श्रमिक जो निर्माण कार्य के लिये अपने घर से अन्य स्थानों पर रेल/ बस के माध्यम से प्रतिदिन आना जाना (यात्रा) करते है। उन्हें मंडल द्वारा रेल मंडल एवं परिवहन विभाग तथा नगर निगम द्वारा निर्धारित दर अनुसार 50 कि0मी0 तक यात्रा के लिए मासिक टिकट कार्ड (स्स्ञ्ज) प्रदाय किया जायेगा, जिसके माध्यम से ऐसे श्रमिकों को यात्रा पर होने वाला संपूर्ण व्यय छ0ग0 भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल करेगा।
- मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना के अंतर्गत पंजीकृत निर्माण श्रमिकों की कार्यस्थल में दुर्घटना मृत्यु पर देय सहायता राशि रुपये 1.00 लाख से बढ़ाकर रूपये 5.00 लाख तथा स्थायी दिव्यांगता पर देव सहायता राशि रूपये 50 हजार से बढ़ाकर रूपये 2.50 लाख किया जा रहा है। साथ ही अपंजीकृत श्रमिक कार्यस्थल पर दुर्घटना से मृत्यु होने पर रूपये 1.00 लाख सहायता प्रदान की जावेगी।
- मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक आवास सहायता योजना ः- मंडल द्वारा इस योजना के अंतर्गत अधिक से अधिक निर्माण श्रमिकों को लाभान्वित करने के उद्देश्य से योजना के पूर्व प्रावधान को अधिक्रमित करते हुए नवीन आवास क्रय / नवीन आवास निर्माण के लिये एकमुश्त राशि रूपये 50,000/- अनुदान प्रदाय किया जावेगा।
- दुर्घटना में चिकित्सा सहायता योजना इस योजना का नाम परिवर्तित होकर मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक दीर्घायु सहायता योजना के नाम से जाना जाएगा, साथ ही अब इस योजना अंतर्गत हृदय की शल्य क्रिया, गुर्दा का प्रत्यारोपण, लीवर का प्रत्यारोपण, मस्तिक की शल्य क्रिया, रीढ़ की हड्डी की शल्य क्रिया, पैर के घुटने की शल्य क्रिया, कैंसर ईलाज, लकवा ग्रसित जैसे गंभीर बीमारी से पीड़ित पंजीकृत निर्माण श्रमिकों को शासन के अन्य योजनाओं के अतिरिक्त रूपये 20,000/- तक अनुदान प्रदाय किया जाएगा।
- ई-रिक्शा अनुदान की राशि 50 हजार से बढ़ाकर 1 लाख रुपये किया गया है।
- श्रमेव जयते ऐप में श्रमिक मोबाइल के माध्यम से आसानी से अपना पंजीयन कर सकते हैं।
- पिछले 4 वर्षों में श्रमिकों के कल्याण के लिए 13 नई योजनाएं संचालित की गई हैं और योजना के अंतर्गत एक सौ 72 करोड़ रुपए से अधिक की राशि प्रदान की गई है।
- श्रमिकों के हितों एवं अधिकारो के संरक्षण के लिए हमेशा कार्य किया जाएगा।
- श्रमिकों को सहायता प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री श्रमिक सहायता केंद्र की शुरुआत की गई है। इस केंद्र के माध्यम से श्रमिकों की समस्याओं का तत्काल समाधान किया जाएगा।
- टोल फ्री नंबर 07713505050 पर कॉल करके श्रमिक सहायता प्राप्त कर सकते हैं।
- पिछले 4 सालों में हमारी सरकार ने मजदूरों के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं।
- हमारी सरकार मजदूरों के खाते में सीधे पैसे डाल रही है, चाहे नोनी सशक्तिकरण योजना हो या अन्य योजनाएं।
- लॉकडाउन के समय में भी छत्तीसगढ़ के मजदूरों को काम मिला है छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था में कभी मंदी नहीं आई।
- मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से आम जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान की जा रही है।
- छत्तीसगढ़ में 18 लाख 40 हजार से ज्यादा निर्माण श्रमिकों का पंजीयन किया गया है।
- नोनी से सशक्तिकरण योजना के अंतर्गत 26 हजार से ज्यादा बेटियों को लाभान्वित किया गया है।
- 56 करोड़ रुपए से अधिक की राशि डीबीटी के माध्यम से श्रमिकों को आज प्रदान किया जा रहा है।
- हमारी सरकार 65 प्रकार के लघु वनोपजों खरीदी हो रही है। तेंदूपत्ता संग्राहकों को लाभान्वित करने के लिए राशि बढ़ाकर चार हजार रुपए प्रति मानक बोरा किया गया है।
- आज इस दिवस को बोरे बासी तिहार के रूप में मनाया जा रहा है हमारी सरकार ने गरीब के भोजन को भी सम्मान देने का कार्य किया है।

कांग्रेसियों को लीडरशिप के गुर सिखा रहे सांसद दीपक बैज

बस्तर। कांग्रेस के लीडरशिप डेवलपमेंट मिशन को अपने प्रभार वाले विधानसभा क्षेत्रों में सफल बनाने के लिए बस्तर लोकसभा क्षेत्र के प्रभारी एवं सांसद दीपक बैज पूरी शिद्दत से जुट गए हैं। कांग्रेस शीर्ष नेतृत्व ने बैज को लीडरशिप डेवलपमेंट मिशन (एलडीएम) के विशेष दायित्व सौंपा है।

लोकसभा क्षेत्र प्रभारी दीपक बैज दायित्व मिलते ही जुट गए हैं मिशन को सफल बनाने में

कांग्रेस आसन्न लोकसभा एवं विधानसभा चुनावों के मद्देनजर आरक्षित लोकसभा एवं विधानसभा क्षेत्रों पर ज्यादा फोकस कर रही है। इसके लिए विशेष रूप से एलडीएम चलाया जा रहा है। इस मिशन के लिए सांसद दीपक बैज को बस्तर लोकसभा क्षेत्र का प्रभारी बनाया गया है। प्रभारी बनाए जाने के बाद से ही श्री बैज लगातार विधानसभा क्षेत्रवार बैठकें लेकर ऊर्जावान एवं जमीन से कांग्रेस कार्यकर्त्ताओं व नेताओं की सूची तैयार कर उनमें लीडरशिप के गुण विकसित करने की मुहिम में जुट गए हैं। दंतेवाड़ा और जगदलपुर क्षेत्रों के बाद उन्होंने कांग्रेस सांसद बैज की अध्यक्षता में बस्तर विधानसभा क्षेत्र में बैठक आयोजित की गई। आरक्षित विधानसभा और लोकसभा क्षेत्रों के अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़े वर्गों और अल्पसंख्यक समुदायों के ऊर्जावान एवं राजनीति तथा स्थानीय जनभावनाओं की अच्छी समझ रखने वाले कांग्रेस कार्यकर्त्ताओं को आगे बढ़ाना और उनकी मदद लेना इस मिशन का मुख्य मकसद है। इसके लिए बस्तर के सांसद दीपक बैज को सुकमा, बस्तर, बीजापुर, नारायणपुर, चित्रकोट और दंतेवाड़ा विधानसभा क्षेत्रों का प्रभारी बनाया गया है।एलडीएम के प्रभारी बनने के बाद से ही सांसद श्री बैज मिशन को सफल बनाने की कवायद में जुट गए हैं। इस संबंध में उन्होंने पहली बैठक दंतेवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के दंतेवाड़ा मुख्यालय में ली थी।

संसदीय सचिव ने किया सब स्टेशन निर्माण के लिए भूमिपूजन

महासमुंद। ग्राम पंचायत मचेवा में करीब तीन करोड़ की लागत से विद्युत सब स्टेशन का निर्माण कराया जाएगा। संसदीय सचिव व विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर ने सब स्टेशन निर्माण के लिए भूमिपूजन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि सब स्टेशन निर्माण से क्षेत्र के 9 गांवों के करीब 2200 उपभोक्ताओं को लाभ मिलेगा। सोमवार को ग्राम पंचायत मचेवा में विद्युत सब स्टेशन निर्माण के लिए भूमिपूजन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संसदीय सचिव व विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर थे। अध्यक्षता जनपद अध्यक्ष यतेंद्र साहू ने की। विशेष अतिथि के रूप में कृषि उपज मंडी अध्यक्ष हीरा बंजारे, जिला पंचायत सदस्य जागेश्वर चंद्राकर, सेवनलाल चंद्राकर, जिला कांग्रेस कमेटी के महामंत्री संजय शर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष हेलू निषाद, सुखदेव साहू, सोसाइटी अध्यक्ष किशन देवांगन, राजू यादव, गोविंद

मचेवा में तीन करोड़ की लागत से स्थापित होगा विद्युत सब स्टेशन

साहू, हुलास गिरी गोस्वामी, दीपक साहू, कपिल साहू, महेंद्र साहू मौजूद रहे। पूजा अर्चना पश्चात संसदीय सचिव श्री चंद्राकर ने सब स्टेशन निर्माण के लिए भूमिपूजन किया। अपने संबोधन में संसदीय सचिव श्री चंद्राकर ने कहा कि आज ग्राम पंचायत मचेवा में तीन करोड़ की लागत से विद्युत सब स्टेशन का निर्माण होने जा रहा है। इससे 9 गांव के करीब 2200 उपभोक्ता को लाभ मिलेगा। जिसमें मचेवा, परसकोल, भुरका, परसठठी, बरोडाबाजार, भलेसर, कनेकेरा, नयापारा, लाफ्निकला शामिल है। सब स्टेशन बनने से लोड की समस्या दूर होगी। इस साल के अंत तक यहां से बिजली सप्लाई शुरू हो जाएगी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के प्रवास के दौरान ग्रामीण बिजली की समस्याओं से अवगत कराते रहे। जिसे गंभीरता से लेते हुए शासन का ध्यानाकर्षित कराया। तब जाकर सब स्टेशन के लिए स्वीकृति मिली। उन्होंने कहा कि उनके कार्यकाल में करीब पांच करोड़ 77 लाख के विकास कार्य मचेवा पंचायत के अंतर्गत कराए गए हैं। उन्होंने कहा कि भूपेश सरकार की बिजली बिल हाफ योजना से गरीब, जरूरतमंद एवं मध्यम वर्गीय परिवार को राहत मिली है। बिजली बिल हाफयोजना से 400 यूनिट तक घरेलू बिजली खपत पर टैरिफ में 50 फीसदी की छूट दी जा रही है। संसदीय सचिव श्री चंद्राकर ने कहा कि क्षेत्र में सिंचाई, सड़क, स्वास्थ्य सहित सभी क्षेत्रों में प्राथमिकता के साथ विकास कार्य कराए जा रहे हैं। गौठानों के माध्यम से महिला समूहों को रोजगार मुहैया कराया जा रहा है। कार्यक्रम का संचालन संजय शर्मा ने तथा आभार प्रदर्शन हेमंत देवांगन ने किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से बिजली विभाग के एसई एस कंवर, पवन धृतलहरे, जीवन दास मानिकपुरी, गेमन साहू, रामजी साहू, विकास साहू, सरजू ध्रुव, भुवन साहू, किशन साहू, महेंद्र साहू, शत्रुघन साहू, ढेलू साहू, संतोष साहू, राजू सिन्हा, कपिल ध्रुव, भोजराम निषाद, अशोक साहू, सेवाराम कुर्रे, पवन कुमारी देवांगन, नंदनी साहू, चित्ररेखा देवांगन, द्रोपति साहू, सीता साहू, अमरीका कोसरे सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन मौजूद थे।

रायपुरष राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर कोरबा जिले के दर्री में श्रमिकों के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम में चटनी अचार, के साथ बोरे-बासी का स्वाद लिया। इस अवसर पर नगरनिगम कोरबा के महापौर राजकिशोर प्रसाद, नगरनिगम कोरबा के सभापति श्याम सुंदर सोनी एवं श्रीमती सपना चौहान, सुरेंद्र प्रताप जायसवाल उपस्थित थे।

डीएसपीएम की बंद हो रही इकाई का रखरखाव बेहतर ढंग से करते हुए परिचालन किया जाए : कटियार

कोरबा। डा श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत संयंत्र डीएसपीएम की 250 मेगावाट क्षमता की एक नंबर इकाई के बार-बार बंद होने से उच्च प्रबंधन चिंतित हो उठा है। कंपनी के प्रबंध निदेशक एमडी एसके कटियार ने संयंत्र का निरीक्षण कर अधिकारियों से स्पष्ट कह दिया कि इकाई का रखरखाव बेहतर ढंग से करते हुए परिचालन किया जाए। उत्पादन के क्षेत्र में संयंत्र का नाम राष्ट्रीय स्तर पहले की तरह पुन: स्थापित हो।

विद्युत उत्पादन कंपनी के कोरबा पूर्व स्थित 500 मेगावाट के डीएसपीएम संयंत्र में 250-250 मेगावाट की दो इकाई लगी हैं। इसमें एक नंबर इकाई के टरबाइन में खराबी आने से पिछले माह 26 दिन के लिए बंद हो गई थी। अप्रैल के द्वितीय सप्ताह में इस इकाई को चालू किया गया, पर 15 दिन के अंदर इकाई तीन बार बंद हो चुकी है। इससे इकाई के मेटेनेंस पर सवाल उठने लगे हैं। शनिवार को इकाई बंद होने पर रायपुर मुख्यालय से एमडी एसके कटियार कोरबा पहुंचे। रविवार को संयंत्र का निरीक्षण करने के साथ ही उन्होंने अधिकारियों के साथ इकाई में आ रही खराबी के संबंध में चर्चा की। बताया जा रहा है कि इस दौरान अधिकारियों से स्पष्ट कह दिया कि संयंत्र में पर्याप्त स्टाफ है और इनके सहारे ही संयंत्र को चलाना है। इसलिए आपसी सामंजस्य बना कर काम किया।

फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया ने एएफएमसी पुणे में विशालकाय ध्वज लोकार्पित किया

फाउंडेशन के अध्यक्ष नवीन जिन्दल ने चिकित्सा शिक्षा के अग्रणी संस्थान में 108 फुट ऊंचा राष्ट्रीय ध्वज फहराया

रायपुर। फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया (एफएफओआई) गर्व और सम्मान के साथ प्रतिदिन राष्ट्रीय ध्वज फहराने और राष्ट्रीय ध्वज के माध्यम से देशभक्ति प्रदर्शित करने के लिए नागरिकों को जागरूक करने का अपना अभियान निरंतर चला रहा है और इसी मिशन के तहत सशस्त्र बल मेडिकल कॉलेज (एएफएमसी), पुणे के प्लेटिनम जुबली समारोह में फाउंडेशन के अध्यक्ष श्री नवीन जिन्दल ने 108 फुट ऊंचा राष्ट्रीय ध्वज फहराकर उसे राष्ट्र को समर्पित किया। 1 मई, 1948 को स्थापित एएफएमसीएक प्रसिद्ध चिकित्सा संस्थान है जो चिकित्सा और नर्सिंग छात्रों को विश्व स्तरीय शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करता है। यह संस्थान न केवल शांतिकाल बल्कि युद्ध के समय भी सर्वश्रेष्ठ डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ तैयार करने के लिए जाना जाता है।

आज यहां विशालकाय राष्ट्रीय ध्वज फहराए जाने के अवसर पर उपस्थित प्रमुख लोगों में राज्यसभा सांसद लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) डीपी वत्स, डीजी-एएफएमएस लेफ्टिनेंट जनरल दलजीत सिंहऔर एएफएमसी, पुणे के कमांडेंट लेफ्टिनेंट जनरल नरेंद्र कोतवालसहित सेना के अनेक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। विशालकाय

ध्वज लोकार्पण के अवसर पर अपने संबोधन मेंश्री नवीन जिन्दल ने प्लैटिनम जुबली समारोह का हिस्सा बनाए जाने पर आभार व्यक्त करते हुए राष्ट्र की सेवा में एएफएमसी की महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा, भारतीय राष्ट्रीय ध्वज देश के नागरिकों के बीच एकता और समानता का प्रतीक है। फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडियाहर घर तिरंगा-हर दिन तिरंगा के उद्देश्य के साथराष्ट्रीय ध्वज में निहित संदेश को घर-घर पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। एक बातचीत में उन्होंने कहा, फ्लैग फाउंडेशन राष्ट्रभक्ति के उद्देश्य से एक शपथ अभियान चला रहा है, मैं आप सभी से आग्रह करता हूं कि एफएफओआई की वेबसाइट पर जाएं और शपथ लें। अपने परिवार, रिश्तेदार को भी शपथ लेने के लिए प्रोत्साहित करें।शपथ के शब्द हैं- मैं संकल्प लेता हूं कि मैं स्वयं को राष्ट्र के लिए समर्पित करूंगा और अपने देश की भलाई के लिए कार्य करूंगा।श्री जिन्दल ने कहा, जब हम अपने राष्ट्रीय ध्वज के नीचे खड़े होते हैंतो हमें इस राष्ट्र को महान बनाने के लिए एक नागरिक के रूप में अपनी जिम्मेदारियों को पहचानना चाहिए। तिरंगा हमें यह भी याद दिलाता है कि देश और ध्वज से बढ़कर कुछ भी नहीं है। उन्होंने इस अवसर पर उपस्थित लोगों को स्वस्थ रहने के गुर भी दिये और जीवन शैली से जुड़ी बीमारियों को दूर रखने के लिए भोजन में संयम रखने के उपाय भी बताए। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद और एएफएमसी के पूर्व निदेशकलेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) डॉ. डीपी वत्स ने कहा, मैं देश भर में विशालकाय राष्ट्रीय ध्वज स्थापित करने के लिए श्री नवीन जिन्दल के मार्गदर्शन में फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया द्वारा किये जा रहे उत्कृष्ट कार्य की सराहना करता हूं।

आरक्षण पर रोक हटना भाजपा की वैचारिक जीत- चंदेल

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा दी गई व्यवस्था पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि भाजपा शासन काल में लागू अनुसूचित जनजाति के 32 प्रतिशत आरक्षण पर कांग्रेसियों द्वारा लगवाई गई रोक को सुप्रीम कोर्ट ने हटा दिया है। यह भाजपा की वैचारिक जीत है। अब मुख्यमंत्री को भी यह समझ लेना चाहिए कि वह संविधान से ऊपर नहीं हैं।

नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने कहा कि भाजपा शासनकाल में अनुसूचित जनजाति को 32 फ़ीसदी आरक्षण दिया गया जो भाजपा की सरकार रहते हुए सुरक्षित रहा। लेकिन छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल की सरकार आने के बाद अनुसूचित जनजाति का हक छीनने के लिए कांग्रेसी हाई कोर्ट चले गए। अनुसूचित जनजाति के विरुद्ध हाई कोर्ट जाने वालों को भूपेश बघेल की सरकार ने उपकृत किया।

यह सरकार नहीं चाहती कि अनुसूचित जनजाति को उनका अधिकार मिले। इसलिए अपने लोगों को हाई कोर्ट भेजा और 32 फ़ीसदी आरक्षण को बचाए रखने के लिए सरकार की ओर से कोई गंभीरता नहीं दिखाई गई। ताकि अनुसूचित जनजाति का हक छीना जा सके। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट में भी अनुसूचित जनजाति के हक की बहाली के लिए कांग्रेस की सरकार ने कोई रुचि नहीं दिखाई। वह सिर्फतारीखें बढ़वाने में समय बर्बाद करती रही। इसके बावजूद सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के आदेश पर रोक लगाकर भाजपा सरकार द्वारा लागू आरक्षण नीति को बहाल किया है। यह भाजपा की वैचारिक जीत और अनुसूचित जनजाति के संघर्ष की जीत है।

नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने कहा कि मुख्यमंत्री आरक्षण के नाम पर केवल राजनीतिक पैंतरेबाजी दिखा रहे हैं। यदि वह छत्तीसगढ़ के सभी वर्गों को उचित आरक्षण दिलाने की मंशा रखते तो फिर क्वान्टिफयबल डाटा आयोग की रपट क्यों दबा कर रखी गई है। यह रिपोर्ट न तो सदन में रखी गई और न ही राज्यपाल को भेजी गई। जबकि आरक्षण विधेयक का आधार ही इसी डाटा आयोग की रपट को बताया जा रहा है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और कांग्रेस आरक्षण के नाम पर केवल भ्रम फैलाने का काम कर रही है।

आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट के स्टे से भूपेश सरकार की हठधर्मिता को झटका

भाजपा सरकार के आरक्षण अधिनियम 2012 के वैध होने का प्रारंभिक संकेतः विकास मरकाम

भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष विकास मरकाम ने आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट के स्टे पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि हाईकोर्ट से अपास्त घोषित हुए आरक्षण संशोधन अधिनियम 2012 को सुप्रीम कोर्ट से स्टे मिलना, भूपेश सरकार की हठधर्मिता को झटका है क्योंकि यह सरकार 58त्न वाले इस आरक्षण अधिनियम पर सुप्रीम कोर्ट जाने के लिए तथा सुप्रीम कोर्ट गए अन्य आदिवासी पक्षकारों द्वारा लगाए गए याचिका पर जवाब देने के लिए लगातार हील-हवाला कर रही थी।

19 सितंबर 2022 को इस आरक्षण अधिनियम के हाईकोर्ट में अपास्त घोषित होने के बाद से भाजपा का मानना था कि हाईकोर्ट में भूपेश सरकार द्वारा ठीक से सुनवाई न करवा पाने तथा अपने आरक्षण विरोधी षड्यंत्रों के कारण यह अधिनियम अपास्त घोषित हुआ है। निर्णय आने के उपरांत हाईकोर्ट में इस विधेयक के विरुद्ध याचिका दायर करने वाले के.पी. खांडे को भूपेश सरकार ने जब अनुसूचित जाति आयोग का अध्यक्ष बनाकर कैबिनेट मंत्री के रूप में पद से नवाजा तब ही भाजपा के आरोपों की पुष्टि हो गई। भाजपा शुरू से ही मांग कर रही थी की हाईकोर्ट में अपास्त घोषित हुए आरक्षण अधिनियम पर राहत और न्याय सुप्रीम कोर्ट ही दे सकता है। भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा पूरे प्रदेश में आंदोलन और चक्का जाम कर प्रदेश सरकार से लगातार मांग कर रही थी कि तत्काल सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाकर हाईकोर्ट के निर्णय पर स्थगन लिया जाए परंतु भूपेश सरकार की नियत में खोट था। लगभग 2 माह तक यह सरकार सुप्रीम कोर्ट नहीं गई।

सुप्रीम कोर्ट से 58 प्रतिशत आरक्षण बहाली का स्वागत -कांग्रेस

- इस निर्णय से राज्य में रुकी भर्तियां फिर से शुरू होगी
- कांग्रेस सरकार 76 प्रतिशत आरक्षण देने को प्रतिबद्ध

सुप्रीम कोर्ट द्वारा 58 प्रतिशत आरक्षण की बहाली का कांग्रेस ने स्वागत किया है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि उच्चतम न्यायालय के इस निर्णय से राज्य में रुकी भर्तियां फिर से शुरू हो सकेंगी। यह निर्णय लक्ष्य नहीं है अंतिम लक्ष्य तो आरक्षण संशोधन विधेयक के लागू होने के बाद ही मिल सकेगा। कांग्रेस सरकार ने राज्य के सर्वसमाज के हित में विधानसभा में सर्वसम्मति से आरक्षण संशोधन विधेयक पारित करवा कर राज्यपाल के पास भेजा है। आरक्षण संशोधन विधेयक पिछले 4 महिने से राजभवन में लंबित पड़ा है लेकिन राजभवन उस पर कोई निर्णय नहीं ले रहा जिसके कारण प्रदेश के आरक्षित वर्ग के लोगों को उनका हक नहीं मिल रहा है।

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि पूर्ववर्ती रमन सरकार ने यदि 2012 में बिलासपुर कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत किये गये मुकदमे में सही तथ्य रखे होते तथा 2011 में आरक्षण को 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 58 प्रतिशत करने के समय दूसरे वर्ग के आरक्षण की कटौती के खिलाफ निर्णय नहीं लिया होता तब आरक्षण की सीमा 50 से बढ़कर 58 हो ही रही थी तो उस समय उसे 4 प्रतिशत और बढ़ा देते सभी संतुष्ट होते कोर्ट जाने की नौबत नहीं आती और न आरक्षण रद्द होता। आरक्षण को बढ़ाने के लिये तत्कालीन सरकार ने तत्कालीन गृहमंत्री ननकी राम कंवर की अध्यक्षता में मंत्री मंडलीय समिति का भी गठन किया था। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में भी कमेटी बनाई गयी थी। रमन सरकार ने उसकी अनुशंसा को भी अदालत के समक्ष प्रस्तुत नहीं किया जिसका परिणाम है कि अदालत ने 58 प्रतिशत आरक्षण के फैसले को रद्द कर दिया था।

मेरी बात

✍ गिरीश पंकज

राजनीति का गालीवाद!

आजादी के तुरंत बाद कम-से-कम एक दशक की राजनीति कुछ-कुछ मानवीय मूल्यों से भरी हुई थी। लेकिन धीरे-धीरे वैचारिक मतभेद मनभेद में बदलते चले गए। और आज तो हालत यह है कि मनभेद जहरीली मानसिकता में बदल चुका है। उसका चरम हमें उस वक्त दिखाई देता है, जब विपक्ष में बैठे लोग प्रधानमंत्री को जहरीला सांप, गंदी नाली का कीड़ा, या मोदी तेरी कब्र खुदेगी जैसे अनेक घृणास्पद वाक्य बोलकर अपनी कुंठा का इजहार करते हैं। एक सज्जन तो आंकड़ा पेश किया कि प्रधानमंत्री को अब तक इक्यानवे बार गालियां दी गई हैं। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने पिछले दिनों प्रधानमंत्री को जहरीला सांप कहा। यह शायद इनक्यानवनवीं गाली थी। जब इस बयान का व्यापक विरोध होने लगा तो उन्होंने आत्म-मंथन किया और अपने इस कथन के लिए खेद भी व्यक्त करते हुए कहा कि मैंने ऐसा मोदी के लिए नहीं, भाजपा के लिए कहा था। अगर खेद व्यक्त नहीं करते तो इनको भी मानहानि का मुकदमा झेलना ही पड़ता। वैसे देखा जाए तो भाजपा में भी जवाबी हमला करके घृणास्पद बोल बोलने वाले कम नहीं हैं। भाजपा के एक विधायक ने सोनिया गांधी को विष-कन्या कह दिया। हालांकि उन्होंने जहरीले सांप के ज़वाब में ऐसा कहा, लेकिन नहीं कहना चाहिए था। सोनिया गांधी को कांग्रेस की विधवा भी कहा गया। राजनीति में अगर भाषा का संयम न रखा गया, तो वह खतरनाक मोड़ पर पहुंच जाती है, और इस समय ऐसे ही दुखद स्थितियां सामने नजर आ रही हैं। राजनीति में जो विपक्ष में है, वह दरअसल इस आशंका से बौखला यह हुआ है कि पता नहीं कल उसे सत्ता मिलेगी या नहीं। इसलिए वह सत्ता के शीर्ष पर बैठे लोगों की छवि खराब करने की पूरी कोशिश कर रहा है। पिछले कुछ वर्षों से यही सिलसिला चल रहा है राजनीति की भाषा इतनी विकृत होगी, इसकी कल्पना नहीं की जा सकती थी। अब लोग विचारों के सहारे नहीं, गालियों के सहारे आरोप-प्रत्यारोप का खेल कर रहे हैं ।जैसे राहुल गांधी ने कह दिया कि सारी मोदी चोर क्यों होते हैं। भगोड़े ललित मोदी,नीरव मोदी के साथ-साथ प्रधानमंत्री मोदी का नाम ले लिया। उस का खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ा। सांसदी से हाथ धो बैठे। अब अदालत की चक्कर लगा रहे। अगर एक मोदी चोर है, तो सारे मोदी को आप कैसे अपमानित कर सकते हैं ? नीरव-ललित मोदी का नाम ले कर आप उनको सौ बार चोर कहें, भगोड़ा कहें, कोई फर्क नहीं पड़ता। लेकिन आप उसी केटेगरी में देश के प्रधानमंत्री को भी घसीट लेंगे, तो मानहानि का मामला तो बनता-ही-बनता है। फिर आप कहें कि मैं माफी नहीं मागूंगा, यह अनुचित बात है। अगर अति उत्साह में मुँह से कोई गलत बात निकल गई है, तो उसके लिए खेद व्यक्त करने में कोई बुराई नहीं। आखिर कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने जहरीले सांप वाले अपने बयान पर खेद व्यक्त किया ही न! वैसे राजनीति में यह चरित्र भी पनप रहा है कि पहले आप किसी की मानहानि करें, फिर बाद में माफी भी मांग लें। आप किसी के विरुद्ध कुछ बोलना चाहते हैं तो प्रवृत्तियों पर प्रहार करें। प्रतीकों में बात करें, जिससे सांप भी मर जाए और लाठी भी न टूटे। यह उचित नहीं कि आप सीधे-सीधे किसी व्यक्ति का नाम ले कर उस पर गंभीर आरोप लगा दें। आज हालत यह है कि देश के अनेक नेता मानहानि का मुकदमा झेल रहे हैं। अंत में ये लोग जान छुड़ाने के लिए अदालत में माफी भी मांग लेते हैं। प्रश्न यह है कि ऐसी नोबत आए ही क्यों? इसलिए वाक-संयम ज़रूरी है। अगर राजनीति में लंबे समय तक टिके रहना है तो भाषा का संयम, शालीनता, शुचिता का होना बहुत जरूरी है। उम्मीद की जानी चाहिए कि धीरे-धीरे राजनीति का चल पड़ा गालीवाद खत्म होगा।

आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट का निर्णय भाजपा के संघर्ष की जीतः धरम लाल कौशिक

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरमलाल कौशिक ने आरक्षण के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट के निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि कुछ असंतुष्ट लोग, जो नहीं चाहते थे कि हमारे आदिवासी, जनजाति समाज को 32त्न आरक्षण मिले, हाईकोर्ट में गए जहां कांग्रेस सरकार द्वारा ठीक से जवाब न देने की वजह से हाईकोर्ट ने इस पर रोक लगाई। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष श्री कौशिक ने कहा कि हाईकोर्ट की रोक के बाद सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट की रोक पर स्थगन आदेश दिया। श्री कौशिक ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद अब तत्काल भर्ती की प्रक्रिया प्रारंभ की जाए। इस फैसले से साफ हो गया है कि 58 फ़ीसदी आरक्षण का पारित प्रस्ताव वैध है। श्री कौशिक ने कहा कि हम सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हैं। इस बात को लेकर हम पहले से ही कह रहे थे कि बहुत सोच-विचार करके इसको पारित किया गया है, लेकिन विघ्नसंतोषी लोगों ने इसे चुनौती दी। चूँकि सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश से यह स्पष्ट कर दिया है, अतः हमारे शासनकाल दिया जा रहा आदिवासियों को 32 फ़ीसदी आरक्षण का लाभ आज से मिलना शुरू हो गया है। श्री कौशिक ने उम्मीद जताई कि पूरा छत्तीसगढ़ सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश का स्वागत करेगा। यह डॉ. रमन सिंह के नेतृत्व वाली पूर्ववर्ती भाजपा प्रदेश सरकार की जीत है, जिसके निर्णय पर सुप्रीम कोर्ट ने अपनी मुहर लगा दी। हर वर्ग को इस निर्णय का लाभ मिलेगा।

छत्तीसगढ़ में अतिशीघ्र बड़े पैमाने शासकीय पदों पर होंगी भर्तियाँ

रायपुर। सोमवार देर शाम मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सुप्रीम कोर्ट के आरक्षण मामले में दिये निर्णय के परिपेक्ष्य में अपने निवास कार्यालय में उच्च स्तरीय बैठक ली। बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को सभी शासकीय भर्तियां मिशन मोड में पूर्ण करने के निर्देश दिये तथा मुख्य सचिव को त्वरित कार्यवाही के निर्देश दिये। बैठक में मुख्य सचिव, डीजीपी एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। छत्तीसगढ़ में 58 प्रतिशत आरक्षण पर लगी रोक हटने के बाद सीएम भूपेश बघेल ने सोमवार को देर शाम अपने निवास पर एक हाई लेवल मीटिंग ली. इसमें मुख्य सचिव अमिताभ जैन, डीजीपी अशोक जुनेजा, पीएससी के चेयरमैन टामन सिंह सोनवानी, सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह और सीएम के सचिव अंकित आनंद मौजूद थे. सीएम भूपेश बघेल ने अधिकारियों को बड़े पैमाने पर सरकारी पदों में भर्तियां करने के निर्देश दिए हैं. उन्होंने मिशन मोड पर भर्तियों को पूरा करने के निर्देश दिए. साथ ही,

गृह, जेल, लोक निर्माण विभाग, पर्यटन एवं धर्मस्व मंत्री ताम्रध्वज साहू ने अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर श्रमिकों के सम्मान में बोरे बासी खाकर दिन की शुरूआत की।

छत्तीसगढ़/राजधानी — प्रमुख समाचार

बोरे बासी खाने में भाजपाईयों को शर्म क्यों आती है: कांग्रेस

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि बोरे बासी खाने में भाजपाईयों को शर्म क्यों आती है? भाजपा को छत्तीसगढ़ की संस्कृति खानपान से इतनी नफ़रत क्यों? श्रम दिवस के अवसर पर श्रमिकों के सम्मान में पूरा प्रदेश बोरे बासी खाकर छत्तीसगढ़ की संस्कृति खान-पान का उत्सव मना रहे हैं। लेकिन भाजपाई बोरे बासी का उपहास उड़ा कर एक बार और अपने छत्तीसगढ़िया विरोधी चरित्र को प्रदर्शित किया है। सोशल मीडिया में भाजपा और भाजपा से जुड़े लोगों ने सिर्फ बोरे बासी की बुराई की है। किसी भी भाजपा के बड़े नेता ने बोरे बासी खाते हुए अपनी तस्वीर शेयर नहीं की है, बल्कि उपहास उड़ाते टीका टिप्पणी और कमेंट करने का काम किया है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि असल मायने में भाजपा पूंजीपतियों की पार्टी है इसीलिए उन्हें बोरे बासी खाने में शर्म महसूस होता होगा। भाजपा यह भूल जाती है कि छत्तीसगढ़ के गांव-गांव में सुबह का प्रिय और पौष्टिक भोजन बासी ही है जिसे खाकर किसान खेतों में हल चलाने जाता है, मजदूर मजदूरी करने जाता है, चरवाहा पशुधन को चराने जाता है, बच्चे बासी खाकर स्कूल जाते हैं और युवा बासी खाकर हाथ में बासी टिफिन लेकर कामकाज में जाते हैं।

कांग्रेस के लोग चम्मच से बोरे बासी खाकर संस्कृति बिगाड़ने का काम न करे : अरुण साव

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर मजदूर दिवस पर छत्तीसगढ़ के लोगों को बोरे-बासी खाना सिखाने पर कटाक्ष कर कहा है कि 1 मई को श्रमिक दिवस पर मुख्यमंत्री बघेल छत्तीसगढ़ को बोरे-बासी खाना सिखा रहे हैं! साव ने कहा कि मुख्यमंत्री बघेल को यह पता होना चाहिए कि छत्तीसगढ़ के लोग सैकड़ों सालों से बोरे-बासी खा रहे हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष साव ने कहा कि मुख्यमंत्री बघेल, उनकी सरकार और कांग्रेस के लोग जो बोरे बासी खा रहे हैं, वह सियासी ड्रामेबाजी से ज्यादा कुछ नहीं है। साव ने कटाक्ष किया कि सरकार और कांग्रेस के लोग चम्मच से बोरे-बासी खा रहे हैं! यह छत्तीसगढ़ की परंपरा और संस्कृति को बिगाड़कर अपमानित करने का काम है और मुख्यमंत्री बघेल, उनकी सरकार व कांग्रेस के लोग इससे बाज आएं। साव ने कहा कि छत्तीसगढ़ की जनता जो सैकड़ों वर्षों से बोरे-बासी खा रही है, उसे बोरे-बासी खाना सिखाने का काम न करें।

नंदकुमार साय का कांग्रेस में जाना औचित्यहीन है- नेताम

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जनजाति मोर्चा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष व छत्तीसगढ़ के पूर्व गृहमंत्री वरिष्ठ आदिवासी नेता रामविचार नेताम ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि नंदकुमार साय जी के कांग्रेस प्रवेश से मैं व्यक्तिगत रूप से आहत हूं 7 वे हमारे कुशल मार्गदर्शक एवं मेरे शुभचिंतक हैं। किन्तु आज की परिस्थिति में उनका कांग्रेस में प्रवेश होना एवं उनका वक्तव्य कि उनका यह निर्णय आदिवासी हितों की रक्षा से जुड़ा हुआ है, यह अपने आप में एक बड़ा प्रश्न चिन्ह है। जिन आदिवासी हितों के लिए वर्षो - वर्ष से नंदकुमार साय जी कांग्रेस की गोद में बैठने से आदिवासी हितों का संरक्षण कहां से हो गया, यह मेरे व किसी के लिए भी समझ से परे है । ऐसे व्यक्ति व समाज का प्रतिनिधित्व करने के लिए भारतीय जनता पार्टी ने जो कुछ भी किया है, इसके लिए प्रशंसा के शब्द भी कम पड़ जाते हैं। एक छोटे परिवार में भी अनबन की स्थिति बनी रहती है किन्तु इसका यह मतलब नहीं कि कोई अपने पड़ोस के परिवार में जा कर शामिल हो जाए। भारतीय जनता पार्टी संपूर्ण समाज का प्रतिनिधित्व करने वाली हम सभी की एक बड़ी पारिवारिक पार्टी है, ऐसे में आदिवासी समाज के इतने बड़े नेता का कांग्रेस में जाना औचित्यहीन है। निश्चित रूप से इनके कांग्रेस प्रवेश की अंदर की कहानी कुछ और होगी, जिसकी पड़ताल की जायेगी।

सर्व विभागीय अनियमित कर्मचारी महासंघ के धरने को समर्थन देने पहुँचे सरगुजा संभाग प्रभारी संजय श्रीवास्तव

रायपुर। श्रमिक दिवस के अवसर पर सर्व विभागीय अनियमित कर्मचारी महासंघ द्वारा नियमितिकरण को लेकर आयोजित धरने को समर्थन देने, नया रायपुर धरना स्थल पहुँचकर भाजपा नेता संजय श्रीवास्तव ने समर्थन दिया इस दौरान कर्मचारियों को सम्बोधित करते हुए संजय श्रीवास्तव जी ने कहा कि साढ़े चार बाद भी नियमितिकरण को लेकर राज्य सरकार द्वारा अब तक कोई फ़ैसला नही लिया जाना इस बात का प्रमाण है कि सरकार नियमितिकरण को लेकर बिल्कुल गंभीर नही है सिर्फ़ कमेटी बना बनाकर प्रदेश के पाँच लाख पचास हजार से ज़्यादा अनियमित कर्मचारियों को अंधेरे में रखा गया है कर्मचारी पूरी तरह छलें गये है जबकि घोषणा पत्र में नियमितिकरण इस सरकार का मुख्य बिंदु था।

श्री श्रीवास्तव ने कहा हज़ारों कर्मचारियों की छटनी कर उन्हें बेरोज़गार कर दिया गया आज भी कर्मचारी खून के आंसू रोने को मजबूर है । उत्सव और अपनी ब्रांडिंगबाज़ी में तल्लीन राज्य की कांग्रेस सरकार की इस वादाखिलाफ़ी के ख़िलाफ़ भाजपा मज़बूती से सभी कर्मचारियों के साथ खड़ी है और इस लड़ाई को अंजाम तक पहुँचाएगी।

मजदूरों के हक का पैसा भी कांग्रेस सरकार ने दबायाः ओपी चौधरी

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री ओपी चौधरी ने कहा है कि विभिन्न निर्माण कार्यों के लिए स्वीकृत राशि का जो 1 प्रतिशत अंश श्रमिक कल्याण बोर्ड में श्रमिक कल्याण के लिए जमा किया जाता है, जो पिछले साढ़े 4 वर्षों में उससे कुछ श्रमिक कल्याण का काम नहीं किया गया है। श्री चौधरी ने कहा कि इन पिछले वर्षों में लगभग 700 करोड रुपए बोर्ड में जमा होने चाहिए थे।

भाजपा प्रदेश महामंत्री श्री चौधरी ने कहा कि प्रदेश सरकार ने अपने साढ़े 4 वर्षों के कार्यकाल में मजदूरों के कल्याण के लिये उसे खर्च नहीं किया गया है।उसे रोक कर रखा है। भारत सरकार के जो नियम-कानून हैं, प्रदेश सरकार उनका पालन नहीं कर रही है। श्री चौधरी ने कहा कि श्रमिक दिवस के मौके पर तो प्रदेश सरकार पूरे 700 करोड़ रुपए की राशि श्रमिकों के खाते में जमा करा दे, केवल 47 करोड़ रुपए की राशि जमा कराने का नाटक क्यों कर रहे हैं? मजदूरों के नाम पर जब तब सियासी पाखंड रचने वाले मुख्यमंत्री बघेल और उनकी सरकार प्रदेश को बताए कि आखिर श्रमिकों के कल्याण की यह राशि मजदूरों के खाते में जमा क्यों नहीं कराई जा रही है?

कांग्रेस साय जी के साथ क्या न्याय करेंगी- विष्णुदेव साय

रायपुर। हम सबके लिए नंद कुमार साय हमेशा आदरणीय रहे हैं। उनका इस तरह एक ऐसी पार्टी में चला जाना जिस पार्टी ने निजी तौर पर भी उन्हें प्रताड़ित करने, शारीरिक हमला तक करा उनकी जान तक ले लेने की साज़िश रची हो, निस्संदेह हम सबके लिए दुखद है।

साय लगातार कांग्रेस की अनीतियों के विरुद्ध आवाज़ उठा रहे थे। हाल ही में उन्होंने कांग्रेस द्वारा आदिवासी आरक्षण छीने जाने के खिलाफ धरना भी दिया था। उन्होंने पार्टी द्वारा आयोजित विधानसभा घेराव कार्यक्रम में कांग्रेस सरकार के रहते तक बाल नहीं कटाने का संकल्प भी लिया था।

ऐसे में अकस्मात् ऐसी क्या परिस्थिति पैदा हो गयी, जिसके कारण साय ने यह कदम उठाया, यह संदेह पैदा करता है। कहीं किसी अनुचित दबाव में तो नहीं हैं साय, इसे देखना होगा। पार्टी में ऐसा शायद ही कोई बड़ा दायित्व हो, जिस पर साय नहीं रहे हों। 46 वर्ष से अधिक वे पार्टी के महत्वपूर्ण और शीर्ष पदाधिकारी रहे हैं। अविभाजित मध्यप्रदेश भाजपा के अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष, लोकसभा सांसद, राज्यसभा सांसद, प्रथम नेता प्रतिपक्ष, विधायक, एसटी आयोग के अध्यक्ष, प्रदेश के कोर कमेटी सदस्य समेत कोई भी पद ऐसा नहीं है जिसे उन्होंने ग्रहण नहीं किया हो। साय जी जैसे वरिष्ठतम नेता इस तरह कांग्रेस जैसी पार्टी के ट्रैप में फँस जायेंगे, भरोसा नहीं हो रहा है।

भाजपा का भरोसा साय जी पर हमेशा रहा है। छत्तीसगढ़ निर्माण के बाद पहले चुनाव के ऐन मौक़े पर जब उनकी पुत्री ने कांग्रेस का दामन थाम लिया था, तब भी नंद कुमार साय पार्टी के शीर्ष नेता रहे थे, और ज़रा भी किसी कार्यकर्ता ने कोई संदेह नहीं किया था। लेकिन वह इतिहास ऐसे ख़राब तरीक़े से दुहराया जाएगा, इसकी रत्ती भर भी उम्मीद नहीं थी। हमें आज भी अपने वरिष्ठ नेता के मान-सम्मान की अधिक चिंता है। स्व. करुणा शुक्ला जी का उदाहरण हमारे सामने है। वे दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष थीं, जब कांग्रेस जैसी लगभग स्थानीय पार्टी जितनी हैसियत में रह गयी पार्टी में वे प्रदेश उपाध्यक्ष बनायी गयीं, उसके जिस तरह से कांग्रेस ने उनका इस्तेमाल किया, और एकाकी जीवन जीते हुए, अपने पुराने परिवार के कार्यकर्ताओं की पीड़ा का ज़िम्मेदार समझती हुई करुणा जी जैसे पीड़ा में अंत समय तक रही, वह इतिहास है।

ऐसे महत्वपूर्ण समय पर, जब कांग्रेस ने आदिवासी आरक्षण से वंचित कर दिया है छत्तीसगढ़ को, साय को प्रखर और मुखर होकर कांग्रेस के ख़िलाफ़ खड़ा होना था। भाजपा कोई कांग्रेस या अन्य ऐसे दल की तरह किसी एक परिवार से नहीं चलती। यहां दायित्व भी लगातार बदलता रहता है। कार्यकर्ता आधारित इस दल में कोई पंचायत या वार्ड का कार्यकर्ता भी शीर्ष तक पहुंच सकता है।

जन चौपाल में सुनी गई आम नागरिकों की समस्याएं

रायपुर। कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे के मार्गदर्शन में अपर कलेक्टर बी.बी पंचभाई ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जन चौपाल के माध्यम से आम नागरिकों की समस्याएं सुनी। पंचभाई ने जन चौपाल के माध्यम से जिले के विभिन्न विकासखंडो से आए नागरिकों, ग्रामीणजनों, महिलाओं की समस्याओं और शिकायतों को सुना और उन आवेदनों पर नियमानुसार त्वरित निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

आज जनचौपाल में बैरन बाजार निवासी धानवाई निषाद ने अपने मकान में अवैध कब्जे की शिकायत, ग्राम भानसोज के जगमोहन बघेल ने बन्दोबस्त त्रुटी सुधार कराने, कोटा निवासी नवीन तांडी ने प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने, तहसील आरंग के रमेश कुमार पटेल ने अवैध अतिक्रमण की शिकायत, धमेन्द्र जैन ने ग्राम निमोरा में स्कूल की जमीन से अवैध कब्जा हटवाने, पारागांव निवासी अनुप निषाद ने क्षतिपूर्ति राशि दिलाने आवेदन दिया।

इसी प्रकार सामाजिक कार्यकर्ता सुरेश दीवान ने नहरों के कूड़ा कचरा डालने पर रोक लगाने, ग्राम भूमिया निवासी रामायण साहु ने अवैध निर्माण हटवाने, ग्राम बेमता निवासी विश्राम साहु ने अपनी कृषि भूमि के खाते मे नाम चढाने, पाडाभाट निवासी राजाराम टंडन ने विकलांग पेंशन बंद हो जाने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया। इसी तरह अन्य लोगों ने भी अपनी शिकायत एवं समस्याओं से संबंधित आवेदन दिए।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.